रायपुर

शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026

वर्ष-07, अंक-295

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com

Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

हरियाणा में बिजली कर्मियों की हड़ताल खत्म, CM के आश्वासन के बाद फैसला



नई दिल्ली। हरियाणा में बिजली विभाग के कर्मचारियों ने दूसरे दिन अपनी चल रही हड़ताल खत्म कर दी। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिले आश्वासन के बाद यह फैसला लिया।हरियाणा में, बिजली कर्मचारियों ने गुरुग्राम-नूंह क्षेत्र के लिए एक निजी कंपनी को बिजली वितरण लाइसेंस दिए जाने के विरोध में चल रही अपनी हड़ताल को दूसरे दिन ही खत्म कर दिया। शुक्रवार शाम पंचकूला में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ हुई बातचीत के दूसरे दौर में, लाइसेंस रद्द करने का आश्वासन मिलने के बाद कर्मचारी यूनियनों ने हड़ताल वापस लेने का फैसला किया।

त्रिपुरा के युवक को 'चीनी' कहने पर एक्शनज कोर्ट ने कंटेंट क्रिएटर आमिर शौकीन को भेजा जेल



नई दिल्ली। त्रिपुरा के एक युवक के साथ नस्लीय बदसलूकी और चाइनीज जैसी टिप्पणियां करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने आमिर शौकीन को करोल बाग से गिरफ्तार किया था।कंटेंट क्रिएटर आमिर शौकीन को एक दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने सदर बाजार थाने में दर्ज मामले में आमिर से पूछताछ के लिए 6 दिन की रिमांड मांगी थी, जिसे तीस हजारी कोर्ट ने अस्वीकार करते हुए एक दिन की न्यायिक हिरासत का आदेश दिया। गिरफ्तारी से पहले आमिर शौकीन ने सोशल मीडिया पर माफी मांगते हुए वीडियो जारी किया था और इसे एक 'स्क्रिप्टेड जोक' बताया था।त्रिपुरा के एक युवक के साथ नस्लीय बदसलूकी और पुलिस ने आमिर शौकीन को करोल बाग से गिरफ्तार किया था।

जिस होटल में रुके थे टाइगर पर फायरिंग करने वाले शूटर्स वो हुआ बंद, बबीता और राधा को लेकर भी खुलासा



नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच का दायरा लगातार बढ़ रहा है। जांच अब आरोपियों के ठिकाने, हथियारों की सप्लाई, जंगल में कथित फायरिंग प्रैक्टिस और वारदात के बाद फरार होने के रास्तों तक पहुंच गई है। जांच से जुड़े इनपुट के मुताबिक, मुंबई क्राइम ब्रांच अब तीनों शूटर्स के साथ क्राइम सीन रीक्रिएशन करने की तैयारी में है।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मुंबई के अंधेरी ईस्ट स्थित आरआर रेसिडेंसी होटल का कमरा नंबर 201 जांच के केंद्र में है। की हत्या के हमले की साजिश को अंतिम रूप दिया था।

नेहा बोरा को पीस बॉन्ड के ?10 हजार भरने होंगे



नई दिल्ली। दिल्ली में एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल एआईएसए अध्यक्ष नेहा बोरा की याचिका शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। नेहा ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट की ओर से जारी उस नोटिस को चुनौती दी थी, जिसमें शांति बनाए रखने के लिए ?10 हजार का निजी बांड भरने को कहा गया था।अब नेहा को पीस बॉन्ड भरना होगा। हालांकि कोर्ट ने मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए कि इस मामले से जुड़े सारे दस्तावेज नेहा बोरा को उपलब्ध कराए जाएं। कोर्ट ने 22 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। लहरा दो तिरंगा' कार्यक्रम से जुड़ा था।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर दशहरा की अनूठी परंपराओं और जनजातीय संस्कृति की सराहना की

बस्तर दशहरा सामाजिक समरसता, सामूहिक आस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक-

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी की पावन भूमि जगदलपुर में आयोजित विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा उत्सव में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने बस्तर दशहरा की विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की सराहना करते हुए इसे छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गौरव, सामूहिक आस्था, सामाजिक समरसता और जनजातीय विरासत का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह अनूठा उत्सव विभिन्न समुदायों को एक सूत्र में बांधने और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं को संरक्षित रखने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

राष्ट्रपति ने माँ दंतेश्वरी को नमन करते हुए कहा कि बस्तर दशहरा जैसे विश्वप्रसिद्ध उत्सव में शामिल होना उनके लिए विशेष प्रसन्नता का विषय है। इस उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें विभिन्न गोत्रों, समुदायों और समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता रहती है। रथ निर्माण से लेकर रथ खींचने, पूजा-अर्चना और विभिन्न अनुष्ठानों तक प्रत्येक समुदाय अपनी परंपरागत जिम्मेदारी का निर्वहन करता है। यह सामूहिक सहभागिता सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक निरंतरता का असाधारण उदाहरण है।

मुरिया दरबार लोकतांत्रिक परंपराओं का उत्कृष्ट उदाहरण-राष्ट्रपति

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने बस्तर दशहरा के अंतर्गत आयोजित होने वाले मुरिया दरबार की परंपरा को जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस परंपरा में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि एक साथ बैठकर जनसमस्याओं, आवश्यकताओं और सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श करते हैं। सामूहिक संवाद के माध्यम से निकाले गए समाधान समाज की खुशहाली और आपसी सहयोग का मार्ग प्रशस्त करते हैं। ऐसी परंपराएं भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करती हैं।

और लोकतांत्रिक मूल्यों को नई प्रतिष्ठा प्रदान करती हैं।

उन्होंने कहा कि लगभग दो माह पूर्व राष्ट्रपति भवन में बस्तर के प्रतिनिधिमंडल से उनकी मुलाकात हुई थी। इसमें बस्तर पंडुम के विजेताओं के साथ बस्तर के परगना मांझी और चालकी भी शामिल थे। बस्तर पंडुम जैसे आयोजन जनजातीय युवाओं को अपनी संस्कृति, रीति-रिवाजों और



परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जनजातीय समाज की प्रतिभाओं को अवसर देना आवश्यक

राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समाज में अपार प्रतिभा और संभावनाएं हैं। उचित अवसर, प्रोत्साहन और संसाधन उपलब्ध होने पर जनजातीय समाज के बेटे-बेटियां जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बस्तर ओलंपिक में जनजातीय युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि खेल प्रतिभाओं को उचित मंच मिलने से बस्तर के युवा भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं और ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ा सकते हैं।राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की समस्या से मुक्ति और सुरक्षा एवं विकास के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों का उल्लेख करते हुए केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद की पीड़ा से मुक्त होकर यह क्षेत्र प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बस्तर के युवा और जनजातीय समुदाय के लोग अपनी प्रतिभा, परिश्रम और सहभागिता से देश की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

दंडकारण्य की सांस्कृतिक स्मृतियों में रची-बसी है बस्तर की विरासत

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने बस्तर क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि रामायण में इस अंचल का संबंध दंडकारण्य से जोड़ा जाता है। भगवान श्रीराम के वनवास से संबंधित अनेक प्रसंग इस क्षेत्र की सांस्कृतिक स्मृतियों में विद्यमान हैं। माता शबरी के प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत भारतीय परंपरा का अभिन्न अंग है।

उन्होंने क्हा कि भगवान श्रीराम के आदर्शों, माता सीता की पवित्रता और माता शबरी की भक्ति से प्रेरणा लेकर समाज को नैतिकता, मर्यादा और मानवीय मूल्यों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। बस्तर की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

प्रकृति संरक्षण जनजातीय जीवन दर्शन का अभिन्न हिस्सा

राष्ट्रपति ने जनजातीय समाज की प्रकृति पूजा की परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि पेड़-पौधों, जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति सम्मान इस समाज की विशिष्ट पहचान है। जनजातीय परंपराओं में पेड़-पौधों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा जाता है। प्रकृति हमें ऑक्सीजन, जल, फल, फूल, भोजन और औषधियां प्रदान करती है। इसलिए प्रकृति की पूजा के साथ-साथ उसका संरक्षण और संवर्धन भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि जंगल, पहाड़ और प्राकृतिक संसाधन अमूल्य धरोहर हैं। इनका उपयोग आवश्यकता के अनुरूप करते हुए इनके संरक्षण और क्षतिपूर्ति की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। एक वृक्ष को विकसित होने में कई दशक लगते हैं, इसलिए वनों की रक्षा और अधिकाधिक पौधरोपण भविष्य की पीढ़ियों के लिए जरूरी है। उन्होंने सभी नागरिकों, विशेषकर जनजातीय समाज के लोगों से अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने और जंगलों को हरा-भरा बनाए रखने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास की नई संभावनाएं खुल रही हैं। जनजातीय उद्यमियों को वित्तीय सुविधाओं और बाजार से जोड़ने के प्रयास समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर उपलब्ध कराकर वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में जनजातीय समाज की भागीदारी और अधिक मजबूत होगी।

बस्तर दशहरा के पारंपरिक अनुष्ठानों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कुटुम्ब जात्रा के माध्यम से ग्राम देवी-देवताओं की विदाई तथा 27 अक्टूबर को माँ दंतेश्वरी और देवी मावली की डोली विदाई जैसे आयोजनों को इस उत्सव की विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का परिचायक बताया। उन्होंने माँ दंतेश्वरी से बस्तरवासियों के उज्ज्वल भविष्य, छत्तीसगढ़ की प्रगति और समग्र विकास की कामना की।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने बस्तर दशहरा और विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और लोकतांत्रिक मूल्य हमारी सभ्यता एवं संस्कारों में गहराई से रचे-बसे हैं। उन्होंने कहा कि सामूहिकता जनजातीय समाज की जीवन पद्धति का अभिन्न हिस्सा है। गांवों में सामाजिक निर्णय मिल-बैठकर लिए जाते हैं। बड़ों की बात सुनना और प्रत्येक व्यक्ति की आवाज को सम्मान देना जनजातीय समाज की सहज परंपरा रही है।

राज्यपाल ने कहा कि बस्तर दशहरा अपनी भव्यता के साथ समाज को साथ लेकर चलने की सीख भी देता है। रथ के लिए लकड़ी लाने से लेकर उसके निर्माण और संचालन तक विभिन्न गांवों एवं समुदायों के लोग अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं।

अमिताभ बच्चन का बंगला उड़ाने की धमकी

दिलजीत दोसांझ को जान से मारने का मेल; 5 दिन पहले टाइगर श्रॉफ पर हुई थी फायरिंग

एजेंसी ➤ मुंबई

अमिताभ बच्चन और पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ को शुक्रवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। मुंबई की मेयर रितु तावड़े को यह धमकी भरा ई-मेल भेजा गया।

इसमें अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा को बम से उड़ाने की बात लिखी गई। कहा गया कि 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच कभी भी बंगले को निशाना बनाया जा सकता है। हमला 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला होगा।इसी मेल में गायक दिलजीत दोसांझ को भी आत्मघाती हमले में मारने की धमकी दी गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह मेल तब आया है, जब 5 दिन पहले रविवार को एक्टर टाइगर



श्रॉफ पर मुंबई में फायरिंग की गई। इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी।

ई-मेल में खालिस्तान समर्थक नारे लिखे

मुंबई मेयर को भेजे गए मेल में खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए हैं। इसमें 1984 के सिख-विरोधी दंगों का भी जिक्र है।

पुंछ में सेना ने 7 संदिग्ध आईईडी बरामद किए

लाइट मशीन गन की मैगजीन भी मिली; एक दिन पहले 2 आतंकी मददगार गिरफ्तार हुए थे

एजेंसी ➤ पुंछ

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सेना ने तलाशी अभियान के दौरान 7 संदिग्ध IED और 7.62 मिमी लाइट मशीन गन की मैगजीन बरामद की। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, खुफिया जानकारी मिलने के बाद 156 टेरिटोरियल आर्मी और 37 राष्ट्रीय राइफल्स ने कासबलारी गांव के पास तलाशी अभियान चलाया।

इस दौरान भूरे टेप से लिपटे 6 कंटेनर, नीले टेप से लिपटा 1 कंटेनर और एक संदिग्ध मैगजीन कंटेनर मिला। इसके अलावा एक काला बैग,



कॉम्बैट पाउच, पावर अडैप्टर, बिजली का स्रोत, एल्युमिनियम कंटेनर और टिफिन भी मिला।वहीं, बारामूला में सुरक्षाबलों ने 22 अक्टूबर को 2 संदिग्ध आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से तुर्की में बनी कनिक पिस्टल, 10 कारतूस वाली मैगजीन और 2 हैंडग्रेनेड मिले थे। पिछले 60 दिनों में 18 आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया गया है।

खुफिया सूचना के आधार पर सेना ने कार्रवाई की बारामूला में दोनों संदिग्ध ओवरग्राउंड वर्कर के तौर पर काम कर रहे थे। उन पर आतंकियों तक हथियार और विस्फोटक पहुंचाने में मदद करने का शक है। दोनों सोपोर के चिंकीपोरा के रहने वाले हैं।

दिल्ली-चेन्नई इंडिगो फ्लाइट को धमकी

नई दिल्ली। चेन्नई जा रही इंडिगो की फ्लाइट को शुक्रवार दोपहर धमकी का संदेश मिला। इसके बाद विमान दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस बे में लौट आया। विमान के एक टॉयलेट में यह संदेश लिखा मिलाफ्लाइट 6श्व 6091 ने उड़ान नहीं भरी। उड़ान करीब 3:15 बजे रवाना होने वाली थी।विमान उड़ान भरने की तैयारी में था और पुशबैक कर चुका था। इसके बाद उसे एंटी-सबोटाज जांच के लिए आइसोलेशन बे में ले जाने का फैसला हुआ।लखनऊ से 26 अगस्त को बेंगलुरु पहुंची इंडिगो की फ्लाइट में ब्लैक्स्क्लिखा टिश्यू पेपर मिला था। इससे हड़कंप मच गया। हालांकि, जांच में फ्लाइट में किसी तरह की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली।

एयरलाइन के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट 6श्व321 लखनऊ से सुबह 7 बजे बेंगलुरु के लिए रवाना हुई थी। सुबह 9:40 बजे बेंगलुरु एयरपोर्ट पर लैंड हुई। यात्रियों के विमान से उतरने के बाद नियमित सफाई का काम चल रहा था। इसी दौरान सफाईकर्मियों को एक टिश्यू पेपर मिला, जिस पर अंग्रेजी में ब्लैक्स्क्लिखा था।

आदिवासी समाज की परंपरागत व्यवस्था सामाजिक एकता, न्याय और सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के अंतर्गत आयोजित मुरिया दरबार में आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपरागत सामाजिक व्यवस्था और सामूहिक निर्णय प्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की परंपरागत व्यवस्था सामाजिक एकता, न्याय, आपसी सहयोग और सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि समय के साथ शासन व्यवस्था, नीतियां और कानून बदलते रहते हैं, लेकिन आदिवासी समाज ने अपनी परंपराओं, सामाजिक नियमों और अलिखित संविधान को पीढ़ियों से जीवित रखा है। यह व्यवस्था समाज में सुख-शांति, प्रेम, सद्भाव और सामूहिकता बनाए रखने का महत्वपूर्ण



आधार है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने मुरिया दरबार में उपस्थित आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों और पारंपरिक प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने मुझे एक बार फिर अपनी संस्कृति और परंपराओं से रूबरू होने का अवसर दिया है। इसके लिए मैं आप सभी की आभारी हूं। उन्होंने कहा कि मैं भी इसी आदिवासी संस्कृति और परंपरा से आती हूं। मेरे दादाजी मांझी थे, मेरे पिताजी भी मांझी थे और मेरे भाई भी मांझी हुआ करते थे। मैं एक मांझी की बेटी हूं, गांव के मुखिया की बेटी हूं। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के सदस्य आज भले ही उनके बीच नहीं हैं, लेकिन अपनी संस्कृति, सामाजिक व्यवस्था और परंपराओं के प्रति उनका जुड़ाव आज भी उतना ही गहरा है।

न्यूज इन शॉर्ट

शब्दबीज को मिला नया आयाम, 49 हजार बच्चों ने एक साथ सीखा `सतर्क'

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बच्चों की भाषा और शब्द-संपदा बढ़ाने के लिए सूरजपुर जिले में शैक्षणिक नवाचार 'शब्दबीज' को नया स्वरूप दिया गया है। 'एक शब्द प्रतिदिन' के साथ शुरू की गई 'एक जिला-एक शब्द' पहल के तहत जिले की कक्षा पहली से पांचवीं तक के लगभग 49 हजार बच्चों ने एक साथ सप्ताह का साझा शब्द 'सतर्क' सीखा।'एक शब्द प्रतिदिन, ज्ञान का वृक्ष जीवनभर' की भावना से संचालित शब्दबीज बच्चों को नियमित रूप से नए शब्द सीखने का अवसर देता है। नई पहल से इस व्यक्तिगत सीख को सामूहिक अनुभव से जोड़ा गया है। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों, गांवों और विद्यालयों के बच्चे जब एक ही दिन एक साझा शब्द सीखते हैं, तो उनमें यह भाव भी विकसित होता है कि वे एक साझा शैक्षणिक यात्रा का हिस्सा हैं।'एक जिला-एक शब्द' का उद्देश्य बच्चों को नया शब्द सिखाने के साथ उनमें सीखने की साझा पहचान और सामूहिक सहभागिता की भावना विकसित करना है। विद्यालयों में शिक्षक साझा शब्द का अर्थ, सही उच्चारण, वाक्य-प्रयोग और दैनिक जीवन में उसके उपयोग से जुड़ी गतिविधियां करा रहे हैं। इससे बच्चों को शब्द को समझने और व्यवहार में इस्तेमाल करने का अवसर मिल रहा है।यह पहल शैक्षणिक नवाचार को व्यापक स्तर पर बच्चों से जोड़ते हुए भाषा-कौशल और सीखने के प्रति रुचि बढ़ाने का प्रयास है। सूरजपुर जिले के लगभग 49 हजार विद्यार्थियों की एक साथ सहभागिता ने इस पहल को विशेष पहचान दी है।

'कलेक्टर ने राजनीतिक दल के प्रतिनिधियो के साथ की बैठक'

बलौदाबाजार। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुलदीप शर्मा ने शुक्रवार को राष्ट्रीय एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के प्रतिनिधियो के साथ बैठक की। बैठक मे भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी गई एवं मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के तहत नये मतदान केंद्रों के प्रस्ताव के सम्बन्ध मे चर्चा की गई। बैठक मे बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के संदर्भ में छत्तीसगढ़ मे फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा।इस पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य किसी भी कारण से मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाये छूटे हुए पात्र नागरिकों,युवाओं और पहली बार मतदाता बनने वाले नागरिकों का शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम अंतर्गत 17 प्लस आयु के युवाओ का सर्वे, कॉलेज मे जागरूकता कार्यक्रम एवं शिविर का आयोजन किया जा रहा है।बीएलओ घर -घर जाकर पूछ रहे हैं कि कोई नाम छूटा तो नहीं है, छूटने पर तत्काल फॉर्म 6 भरवाया जा रहा है. इस बार फॉर्म 6 के साथ घोषणा पात्र नहीं है और सरलीकरण भी किया गया है। पुनरीक्षण कार्यक्रम अंतर्गत 2 नवंबर 2026 तक मतदान केंद्रों का युक्तिकरण व पुनर्गठन,12 नवंबर 2026 तक प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची का प्रकाशन,12 नवंबर 2026 से 11 दिसंबर 2026 तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराने,28 दिसंबर 2026 तक दावों और आपत्तियों का निराकरण एवं 4 जनवरी 2027 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।
1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूरे करने वाले युवाओं के अलावा, वर्ष 2027 की आगामी तीन अर्हता तिथियों 1 अप्रैल,1जुलाई एवं 1 अक्टूबरको पात्र होने वाले नागरिक भी अग्रिम आवेदन जमा कर सकते हैं। नया नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 नाम हटाने या आपत्ति दर्ज कराने के लिए फॉर्म-7 तथा संशोधन के लिए फॉर्म-8 भरा जाएगा।नागरिक मतदाता सेवा पोर्टल (मोबाइल ऐप के जरिए घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।'मतदान केंद्रों का पुनर्गठन'- प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक नहीं रखी जाएगी। साथ ही, मतदान केंद्र मतदाताओं के निवास से 2 किलोमीटर के दायरे में तथा भू-तल पर स्थित होना अनिवार्य किया गया है। बैठक मे भारतीय जनता पार्टी से नरेश केशरवानी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी से जिला अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे, गणेश शंकर साहु, आम आदमी पार्टी से भुवनेश्वर सिंह डहरिया, जगन्नाथ महिलांग, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) सुशील बंजारे,उप जिला निर्वाचन अधिकारी निशा नेताम मड़ावी उपस्थित रहे।

शासन के बल्क परचेस निर्णय से छत्तीसगढ़ में आवासीय योजनाओं को मिल रही नई गति

विभिन्न जिलों में संस्थाओं द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल से थोक में कर रहे आवास क्रय

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के आवासों के विक्रय के संबंध में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय के सकारात्मक परिणाम अब प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में दिखाई देने लगे हैं। लंबे समय से रिक्त आवासों को पात्र हितग्राहियों के अतिरिक्त अन्य आय वर्ग के व्यक्तियों एवं संस्थाओं को भी विक्रय करने तथा बल्क परचेस की अनुमति मिलने से आवासीय योजनाओं को नई गति मिल रही है। इससे जहां निर्मित भवनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो रहा है, वहीं शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं निजी संस्थाओं को अपने कर्मचारियों के लिए आवास उपलब्ध कराने का अवसर भी मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा संचालित आवासीय योजनाओं में बल्क परचेस के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न शहरों में आवासों का विक्रय किया गया



है। दुर्ग, जगदलपुर, बिलासपुर एवं रायगढ़ में जीएसटी विभाग द्वारा कुल 68 आवासों का क्रय किया गया है। इनमें दुर्ग में 24 मकान लगभग 6.50 करोड़ रुपये, जगदलपुर में 16 मकान लगभग 6 करोड़ रुपये, बिलासपुर में 25 मकान लगभग 10.35 करोड़ रुपये तथा रायगढ़ में 3 मकान लगभग 92 लाख रुपये की राशि से क्रय किए गए हैं। इन आवासों की कुल संख्या 68 है तथा इनका कुल मूल्य लगभग 23.77 करोड़ रुपये है।

इसी क्रम में नवा रायपुर अटल नगर में प्रधानमंत्री सह मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मेफेयर संस्था द्वारा 128 मकान लगभग 16.20 करोड़ रुपये में क्रय किए गए हैं। वहीं, मैट्स विश्वविद्यालय द्वारा आरंग में 30 मकान लगभग 2.2 करोड़ रुपये की राशि से क्रय किए गए हैं। इसके अतिरिक्त नवा रायपुर में विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय द्वारा भी 128 फ्लैट्स की बल्क खरीदी का निर्णय लिया गया है, जिनका कुल मूल्य लगभग 16 करोड़ 20 लाख रुपये बताया गया है।

इस प्रकार प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में संस्थाओं द्वारा बल्क परचेस के माध्यम से आवास क्रय करने की पहल से आवासीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और निर्मित भवनों के उपयोग को बढ़ावा मिल रहा है। साथ ही, संस्थाओं को अपने कर्मचारियों की आवासीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए व्यवस्थित आवास उपलब्ध कराने में सुविधा हो रही है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-16, 30 एवं 34 में प्रधानमंत्री सह मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (श्रद्धस्-) एवं निम्न आय वर्ग (स्रद्धत्) के लिए आवासों का निर्माण किया गया है। योजना के प्रथम चरण में कुल 6,296 भवनों का क्रियान्वयन किया गया था। निर्मित आवासों के विक्रय के लिए लगातार विज्ञापन जारी किए जाने के बावजूद कुछ भवन लंबे समय तक रिक्त रहे। इससे भवनों की सुरक्षा एवं रखरखाव संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही थीं और मण्डल के वित्तीय संसाधनों पर भी प्रभाव पड़ रहा था।इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए राज्य मंत्रिपरिषद् ने 14 नवंबर 2025 को महत्वपूर्ण निर्णय लिया कि तीन बार विज्ञापन जारी होने के बाद भी अविक्रित रहने वाले आवासों को पात्र हितग्राहियों के अतिरिक्त अन्य आय वर्ग के व्यक्तियों एवं संस्थाओं को भी विक्रय किया जा सकेगा।

मल्बरी ककून उत्पादन से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूह, 2.12 लाख रुपये की हुई कमाई

मल्बरी ककून उत्पादन से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूह, 2.12 लाख रुपये की हुई कमाई

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग अंतर्गत नारायणपुर जिले की ग्रामीण महिलाओं ने अपनी मेहनत और इच्छाशक्ति से सफलता की एक नई इबारत लिखी है। जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों से यहां की ग्रामीण महिलाएं अब रेशम कीट पालन, मल्बरी ककून उत्पादन के जरिए आर्थिक रूप से स्वावलंबी बन रही हैं। शासकीय रेशम केंद्र में संचालित इस पहल से महिला स्व-सहायता समूहों की न केवल आमदनी बढ़ी है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आया है।

1,775 कृमि अंडों से मिला 733 किलो से अधिक ककून

वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान शासकीय रेशम केंद्र में मल्बरी (शहतूत) कृमिपालन योजना के तहत महिला स्व-सहायता समूह की 12 महिलाओं ने सक्रिय रूप से यह कार्य संभाला है। इस अवधि में कुल 1,775 कृमि अंडों के बैच का पालन किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 733.495 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाले मल्बरी ककून का बंपर उत्पादन हुआ। उत्पादित ककून के विक्रय से



समूह को 2 लाख 12 हजार 713 रुपये की ठोस आमदनी प्राप्त हुई है। इतनी बड़ी अतिरिक्त आय मिलने से समूह की महिलाओं के परिवारों की आर्थिक स्थिति खासी मजबूत हुई है।

वर्षभर रोजगार और आगे की तैयारी

रेशम केंद्र में महिलाओं को सिर्फ ककून उत्पादन तक ही सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि उन्हें केंद्र के संधारण और कृषि कार्यों (जैसे निंदाई-गुड़ाई) में भी जोड़ा गया है। इससे महिलाओं को वर्षभर नियमित रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। रेशम विभाग की आगामी कार्ययोजना के तहत जनवरी-फरवरी 2027 में भी मल्बरी ककून उत्पादन का अगला चरण प्रस्तावित है, जिससे महिलाओं को भविष्य में भी निरंतर आर्थिक लाभ मिलता रहेगा।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था और महिला सशक्तिकरण की मिसाल

यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण और मजबूत स्थानीय अर्थव्यवस्था का बेहतरीन उदाहरण बन रही है। विभागीय सहयोग और महिलाओं की सामूहिक भागीदारी यह साबित कर रही है कि ग्रामीण अंचल में भी संसाधनों का सही उपयोग कर स्वरोजगार के बेहतरीन विकल्प खड़े किए जा सकते हैं, जिससे महिलाओं को पलायन या अन्य जगहों पर निर्भर रहने की आवश्यकता न पड़े।

जिला स्तरीय युवा उत्सव 30 एवं 31 अक्टूबर को पेंड्रा में

लोक नृत्य, लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन सहित विभिन्न विधाओं में युवा दिखाएंगे अपनी प्रतिभा

विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने का मिलेगा अवसर

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

जिले के युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें कला, संस्कृति एवं नवाचार के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आगामी 30 एवं 31 अक्टूबर को मल्टीपरपज असेंबली हॉल पेंड्रा में दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। युवा उत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं रचनात्मक विधाओं में जिले के युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 30 अक्टूबर को विकसित भारत चैलेंज ट्रैक, चित्रकला, कविता लेखन, क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज (नशा मुक्त भारत) एवं पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसी प्रकार 31 अक्टूबर को लोक नृत्य, लोकगीत, रॉक बैंड एवं नुक्कड़ नाटक की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। युवा उत्सव में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की आयु 17 अगस्त 2026 की स्थिति में 15 से 29 वर्ष तथा संगतकारों की आयु 18 से 40 वर्ष



निर्धारित की गई है। आयु सत्यापन के लिए प्रतिभागियों को आधार कार्ड अथवा कक्षा दसवीं की अंकसूची लाना अनिवार्य होगा।

जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक विधा से दो विजेता दल अथवा दो प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा उत्सव में जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिले के पात्र युवाओं से युवा उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कला, प्रतिभा एवं सृजनात्मक क्षमताओं का प्रदर्शन करने की अपील की गई है। यह आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के साथ ही छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला, संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

पीएम जनमन आवास योजना से धीरपाल सिंह बैगा के पक्के घर का सपना हुआ साकार

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

विकासखंड गौरेला अंतर्गत ग्राम पंचायत धनौली के ढाढ़ीपारा निवासी श्री धीरपाल सिंह बैगा के लिए पीएम जनमन आवास योजना खुशियों की नई सौगात लेकर आई है। इस योजना के माध्यम से उनका अपने पक्के घर का सपना अब साकार होने जा रहा है। श्री धीरपाल सिंह बैगा पहले मिट्टी के कच्चे मकान में अपने परिवार के साथ



निवास करते थे। उनका कच्चा मकान बरसात के दिनों में अनेक परेशानियों का कारण बनता था। बारिश के दौरान खपरैल से पानी टपकने और घर में सीलन होने के कारण उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ऐसे में परिवार के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक आवास की आवश्यकता हमेशा बनी रहती थी। पीएम जनमन आवास योजना के अंतर्गत जैसे ही श्री धीरपाल सिंह बैगा के नाम से आवास स्वीकृत हुआ, उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने उत्साह के साथ अपने नए घर

पैरालीगल वालंटियर गोलूदास साहू के सहयोग से मिली असहाय को मदद

नालसा की मानसिक रूप से बीमार और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए विधिक सेवाऐं योजना का लाभ जरूरतमंदो को मिल रहा है - पीएलवी साहू



भेजा गया राज्य मनोचिकित्सालय केंद्र सेंद्री बिलासपुर

एक सत बुलेटिन ➤ खैरागढ

मानवता, संवेदनशीलता और सामुदायिक सहयोग की मिसाल पेश करते हुए खैरागढ़ में एक 45 वर्षीय मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं बेघर अज्ञात महिला को नया जीवन मिला है। यह सहयोग तालुक विधिक सेवा समिति खैरागढ़, पुलिस प्रशासन, स्थानीय नागरिकों के संयुक्त प्रयास से संभव हो सका। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर, छत्तीसगढ़ एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव के अध्यक्ष विजय कुमार होता के निर्देशन तथा तालुक विधिक सेवा समिति खैरागढ़ की अध्यक्ष मोहनी कंवर एवं सचिव प्रीति नागवंशी के मार्गदर्शन में पैरालीगल वालंटियर गोलूदास साहू द्वारा साइबर अपराध, पॉक्सो एक्ट, लोक अदालत और नालसा की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के दौरान इतवारी बाजार खैरागढ़ में

मानसिक रूप से विक्षिप्त असहाय अज्ञात महिला मिली

जिससे बात करके उसका नाम पता वगैरा पूछने का प्रयास किया गया लेकिन वह कुछ भी बता नहीं नाम और नहीं पा रही थी आसपास के लोगों से बात करने पर पता चला कि यह मानसिक रूप से बीमार है और कहां से आई है इसकी जानकारी नहीं है अज्ञात हैं।यह अज्ञात महिला पिछले कुछ समय यहां दिख रही है और लोग दया करके जो दे देते हैं उसको का करके जी रही हे।वह अपना पता नहीं बता पा रही है और ना ही अपना नाम बताने में सक्षम नही है, वह शहर में कचरों के बीच रहकर से जीवन यापन कर रही थी। क्योंकि महिला अधेड़ है इसके साथ कुकृत्य होने की भी संभावना बनी रहती है। तत्पश्चात पीएलवी गोलूदास साहू मौके पर पहुंचकर एम्बुलेंस के साथ सिविल अस्पताल खैरागढ़ में विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक बिसेन से संपर्क कर आपातकालीन सहायता सुनिश्चित की। अधेड़ असहाय महिला को तत्काल सिविल अस्पताल खैरागढ़ में भर्ती किया गया जहाँ डॉ.मनीषा कश्यप व टीम इलाज तात्कालिक इलाज किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मानसिक रूप से अस्वस्थ होकर भिक्षाटन करते हुए जीवन यापन कर रही थी और उसका कोई परिजन या संरक्षक नहीं है। ऐसे में सामुदायिक सहयोग और न्यायिक तंत्र की संवेदनशील भूमिका ने उसे जीवन की नई दिशा दी। आगे के उपचार के लिए महिला को छत्तीसगढ़ राज्य मनोरोग चिकित्सालय, सेंद्री (बिलासपुर) रेफर किया गया। इस संबंध में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निधि शर्मा द्वारा आवश्यक निर्देश जारी किए गए जिनके अनुसार महिला को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहाँ उसका उपचार डॉ.प्रीति और उनकी टीम द्वारा किया जा रहा है। मानसिक रूप से अस्वस्थ असहाय महिला के इलाज में थाना प्रभारी खैरागढ़ भीमसेन यादव, सखी सेंटर अर्चना शर्मा केंद्र प्रभारी सखी वन स्टाप सेंटर प्रमिला रात्रि पैरामेडिकल वर्कर रात्रे का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। बहरहाल जिम्मेदारी का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरी है।

पुत्रों के आय प्रमाण पत्र एक दिन में मिलने से संजय दुबे को मिली बड़ी राहत,

सेवा सेतु पोर्टल से महज एक दिन में मिला आय प्रमाण पत्र, संजय दुबे के चेहरे पर आई मुस्कान

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

छत्तीसगढ़ शासन की जनहितैषी पहल सेवा सेतु पोर्टल आम नागरिकों के लिए त्वरित और सरल शासकीय सेवाओं का सशक्त माध्यम बन रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डिजिटल सुशासन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज समयबद्ध तरीके से प्राप्त हो रहे हैं। इसी कड़ी में जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की तहसील भरतपुर अंतर्गत सिंगरौली निवासी संजय दुबे के लिए सेवा सेतु पोर्टल राहत और खुशी का माध्यम बना। पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने के महज एक दिन के भीतर उनके दोनों पुत्रों के आय प्रमाण पत्र जारी हो



गए।

एक दिन में मिला प्रमाण पत्र, चेहरे पर आई खुशी

सिंगरौली निवासी संजय दुबे ने अपने पुत्रों ऋषभ दुबे एवं रियांश दुबे के आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया था। उन्हें उम्मीद थी कि प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कुछ समय लगेगा, लेकिन आवेदन के महज एक दिन के भीतर ही दोनों पुत्रों के आय प्रमाण पत्र प्राप्त हो गए। इतनी जल्दी आवश्यक दस्तावेज मिलने से संजय दुबे बेहद प्रसन्न हुए। उन्होंने शासन की इस त्वरित और पारदर्शी व्यवस्था की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

डिजिटल सुविधा ने आसान बनाई राह

आय प्रमाण पत्र विद्यार्थियों की शिक्षा, छात्रवृत्ति तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज है। ऐसे में समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध होना परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित होता है। सेवा सेतु पोर्टल ने संजय दुबे के लिए इस प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बना दिया।

न्यूज इन शॉर्ट

मुख्यमंत्री की संवेदनशील पहल से स्वर्गीय मनसुखनी बाई के परिवार को मिले 4 लाख रुपये

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जशपुर जिले के बगिया स्थित सीएम कैंप कार्यालय के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों की समस्याओं के निराकरण और उन्हें समय पर सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार पहल की जा रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले के फरसाबहार तहसील अंतर्गत ग्राम बारो निवासी श्री रामसाय पैंकरा के परिवार को लंबे समय से लंबित मुआवजा प्रकरण में 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। उनकी पुत्री स्वर्गीय मनसुखनी बाई के निधन के बाद मुआवजे की प्रतीक्षा कर रहे परिवार को मुख्यमंत्री श्री साय की पहल से आर्थिक संबल मिला है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वर्गीय मनसुखनी बाई आंगनबाड़ी सहायिका के रूप में कार्यरत थीं। आंगनबाड़ी केंद्र में भोजन तैयार करने के दौरान आग लगने से वे गंभीर रूप से झुलस गई थीं। उपचार के दौरान 24 जनवरी 2024 को उनका दुखद निधन हो गया था। इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पुत्री के असामयिक निधन के बाद परिवार लंबे समय से मुआवजा राशि मिलने की प्रतीक्षा कर रहा था।स्वर्गीय मनसुखनी बाई के पिता श्री रामसाय पैंकरा ने अपनी समस्या के समाधान के लिए सीएम कैंप कार्यालय बगिया पहुंचकर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नाम लिखित आवेदन प्रस्तुत किया था। उन्होंने अपनी पुत्री के निधन की परिस्थितियों और लंबित मुआवजा प्रकरण की जानकारी देते हुए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

परंपरागत कृषि छोड़ बीज उत्पादक बने किसान, आय में 75 प्रतिशत का हुआ इजाफा

बलौदाबाजार। भाटापारा जिले के विकासखंड भाटापारा अंतर्गत ग्राम ढाबाडीह के किसानों ने कृषि क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है। परंपरागत खेती के तरीकों और बाजार की अनिश्चितताओं को पीछे छोड़ते हुए यहां के किसानों ने उन्नत बीज उत्पादन को अपनाया है, जिससे उनकी आय में लगभग 75 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ग्राम ढाबाडीह के कृषक श्री रूपेन्द्र साहू, श्रीमती उमा साहू, श्री राजाराम एक्का और श्रीमती प्रमिला साहू पहले परंपरागत रूप से धान और सब्जियों की खेती करते थे। मौसम की मार और बाजार भाव में उतार-चढ़ाव के कारण उन्हें अक्सर सीमित आय से ही संतोष करना पड़ता था।इस अनिश्चितता से निपटने के लिए किसानों ने उद्यान विभाग भाटापारा के अधिकारियों से संपर्क किया। विभाग के मार्गदर्शन में किसानों ने एक प्रमुख बीज कंपनी के साथ अनुबंध किया और सामूहिक रूप से 25 एकड़ रकबे में गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन का कार्य शुरू किया। उद्यानिकी विभाग द्वारा कृषको को 2 नग क्रॉप सोलर ड्रायर प्रदान किया गया है जिससे उन्हें बीज़ को बारिश मे सुखाने मे मदद मोलेगी।
कंपनी से अनुबंध होने के कारण फसलों के दाम पहले से तय रहते हैं, जिससे बाजार के उतार-चढ़ाव का जोखिम खत्म हो गया।आधुनिक कृषि तकनीकों और सामूहिक खेती के कारण मजदूरी पर होने वाला खर्च काफी कम हो गया। परंपरागत फसलों की तुलना में प्रति एकड़ शुद्ध आय में 75 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। पहले 8 हेक्टेयर मे सब्जी एवं 2 हेक्टेयर मे धान लगाने पर प्रति एकड़ मुनाफा 1 लाख होती थी,अब 9 हेक्टेयर मे सब्जी लगाने एवं बीज़ उत्पादन से 1लाख 75 हजार रुपए प्रति एकड़ बचत हो रही है।
'क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए बने प्रेरणा'-ढाबाडीह के इन किसानों की इस सफलता से आसपास के ग्रामीण व अन्य कृषक भी अत्यधिक प्रभावित हो रहे हैं और अब वे भी परंपरागत खेती की जगह आधुनिक बीज उत्पादन और अनुबंध आधारित कृषि अपनाने की दिशा में रुचि दिखा रहे हैं।

निजी कार्यक्रम छोड़ केल्हारी बस दुर्घटना के घायलों से मिलने पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल

मनेन्द्रगढ़ के सिविल अस्पताल में जाना कुशलक्षेम, बेहतर उपचार और समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

केल्हारी बस दुर्घटना में घायल लोगों का हालचाल जानने स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल आज अपने सभी निजी कार्यक्रम स्थगित कर मनेन्द्रगढ़ स्थित सिविल अस्पताल पहुंचे। उन्होंने उपचाररत मरीजों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना और बेहतर उपचार का आश्वासन दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सकों से प्रत्येक घायल की स्वास्थ्य स्थिति एवं उपचार की जानकारी ली तथा समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।
स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार संवेदनशीलता और सेवा भाव के साथ कार्य कर रही है। संकट की इस घड़ी में सरकार दुर्घटना से प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की कमी न हो और उनकी स्वास्थ्य स्थिति की नियमित निगरानी की जाए।
उल्लेखनीय है कि कल हुई केल्हारी बस दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु हो गई थी और अनेक लोग घायल हुए थे।







ग्राम तोजा में 'हर घर नल से जल' योजना बनी खुशहाली का आधार

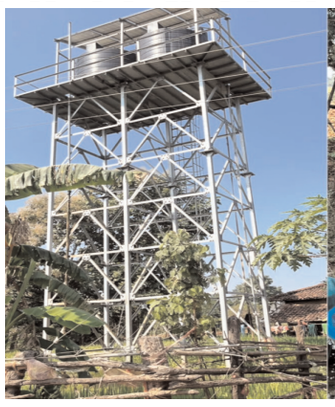
जल जीवन मिशन से तारा बाई के घर पहुंचा नल से जल, पानी की समस्या से मिली राहत

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। गांवों में घर-घर स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित इस योजना से ग्रामीणों को पानी की समस्या से राहत मिल रही है। इसी कड़ी में जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत तोजा के आश्रित ग्राम तोजा की निवासी तारा बाई के जीवन में भी जल जीवन मिशन खुशहाली और सुविधा का नया आधार बना है। पहले जहां उन्हें पीने के पानी के लिए कुएं और हैंडपंप पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब घर पर ही नल से पेयजल उपलब्ध होने से उनकी दैनिक दिनचर्या आसान हो गई है।

पानी के लिए रोजाना की परेशानी से मिली मुक्ति

तारा बाई बताती हैं कि पहले परिवार के लिए पानी की व्यवस्था करना एक बड़ी चुनौती थी। पीने और घरेलू उपयोग के लिए पानी लाने हेतु कुएं और हैंडपंप तक जाना पड़ता था। इससे काफी समय और शारीरिक श्रम लगता था। विशेषकर घर के अन्य जरूरी कार्यों के बीच पानी की व्यवस्था करना कठिन होता था। गर्मी के दिनों में यह परेशानी और बढ़ जाती थी। लेकिन जल जीवन मिशन के अंतर्गत घर में नल कनेक्शन मिलने के बाद उनकी यह समस्या काफी हद तक दूर हो गई है। अब घर पर ही पेयजल उपलब्ध होने से उन्हें पानी लाने के लिए बार-बार बाहर नहीं जाना पड़ता।





घर में नल लगने से बदली दिनचर्या, समय और श्रम की हुई बचत

जल जीवन मिशन के माध्यम से घर तक पानी पहुंचने से तारा बाई के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। पहले पानी की व्यवस्था में लगने वाला समय अब परिवार की देखभाल और अन्य घरेलू कार्यों में उपयोग हो रहा है। पानी लाने में होने वाले शारीरिक श्रम से भी राहत मिली है। घर में नल से जल की सुविधा उपलब्ध होने से परिवार के दैनिक कार्य अधिक सुविधाजनक हो गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी लाने की जिम्मेदारी प्राय: महिलाओं को निभानी पड़ती है। ऐसे में जल जीवन मिशन महिलाओं के समय और श्रम की बचत करने के साथ ही उनके जीवन को अधिक सहज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से बेहतर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को भी बढ़ावा मिल रहा है।

तारा बाई ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

घर पर नल से पेयजल की सुविधा मिलने से तारा बाई बेहद खुश हैं। उन्होंने जल जीवन मिशन के माध्यम से गांव में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। तारा बाई ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा, यह योजना हमारे गांव और हमारे भविष्य को नई दिशा दे रही है। उन्होंने बताया कि घर में पानी की सुविधा होने से अब दैनिक जीवन की कई परेशानियां दूर हो गई हैं और परिवार को बड़ी राहत मिली है।

जल जीवन मिशन से ग्रामीण जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से संचालित जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक निर्धारित गुणवत्ता का पर्याप्त एवं सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नल कनेक्शन उपलब्ध कराकर पेयजल सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इससे ग्रामीण परिवारों को पानी की व्यवस्था में होने वाली कठिनाइयों से राहत मिल रही है। ग्राम तोजा की तारा बाई की यह सफलता की कहानी दर्शाती है किनागरिकों के जीवन में बदलाव ला रही हैं।

बहुउद्देश्यीय केंद्र बेनीपुरा में स्वास्थ्य पोषण सेवा संगम का आयोजन, बच्चों को दिया गया पौष्टिक आहार

रिफार्म उत्सव के तहत पोषण एवं शिशु देखभाल के प्रति किया गया जागरूक, जनजातीय समुदायों में स्वास्थ्य और पोषण को बढ़ावा देने की पहल



एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

जनजातीय समुदायों के स्वास्थ्य, पोषण एवं समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित रिफार्म उत्सव के अंतर्गत जिले में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में 22 अक्टूबर 2026 को बहुउद्देशीय केंद्र बेनीपुरा में स्वास्थ्य पोषण सेवा संगम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित आहार प्रदान करने के साथ ही शिशु पोषण, स्वास्थ्य सुरक्षा और उचित देखभाल के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।रिफार्म उत्सव के तहत स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष जोर
जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अक्टूबर से दिसंबर 2026 तक रिफार्म उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पिछले एक दशक में जनजातीय समुदायों के कल्याण के लिए किए गए महत्वपूर्ण नीतिगत एवं संस्थागत सुधारों को प्रदर्शित करने के साथ ही उनका दस्तावेजीकरण करना है। इसी कड़ी में देशभर के अक्टूबर से 15 नवंबर 2026 तक स्वास्थ्य पोषण सेवा संगम आयोजित किया जा रहा है।



जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता को मिल रहा बढ़ावा

स्वास्थ्य पोषण सेवा संगम के माध्यम से जनजातीय समुदायों तक स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी आवश्यक जानकारियां पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। बहुउद्देश्यीय केंद्रों में आयोजित गतिविधियों के जरिए बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य सुरक्षा, स्वच्छता और समुचित देखभाल के महत्व को रेखांकित किया जा रहा है। इसके साथ ही समुदाय की सहभागिता बढ़ाकर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।
रिफार्म उत्सव के अंतर्गत बहुउद्देश्यीय केंद्र बेनीपुरा में आयोजित स्वास्थ्य पोषण सेवा संगम बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण एवं समग्र विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। इस प्रकार के आयोजनों से जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ ही स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण को प्रोत्साहन मिल रहा है।

यात्री बसों की सघन जांच में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 4 बसों पर 11 हजार रुपये का जुर्माना,

केल्हारी बस दुर्घटना के बाद परिवहन विभाग की सख्त कार्रवाई, 3 यात्री बसें जब्त

सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर कठोर कार्रवाई के निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

जिले के थाना केल्हारी क्षेत्र अंतर्गत 22 अक्टूबर 2026 को हुई यात्री बस दुर्घटना को गंभीरता से लेते हुए परिवहन विभाग ने यात्री बसों के विरुद्ध सघन जांच एवं प्रवर्तन अभियान शुरू कर दिया है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सड़क दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से जिला परिवहन अधिकारी के निर्देश पर आज 23 अक्टूबर को परिवहन उड़नदस्ता दल द्वारा विभिन्न यात्री बसों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान मोटरयान अधिनियम एवं संबंधित



नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 3 यात्री बसों को जब्त किया गया, वहीं 4 अन्य बसों के विरुद्ध कुल 11 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई की गई।
बसों के फिटनेस, परमिट और सुरक्षा मानकों



की विशेष जांच
केल्हारी क्षेत्र में हुई बस दुर्घटना के मद्देनजर परिवहन विभाग द्वारा यात्री वाहनों की तकनीकी स्थिति एवं आवश्यक दस्तावेजों की विशेष जांच की जा रही है।

अभियान के अंतर्गत बसों के फिटनेस प्रमाण पत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र तथा चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की जांच की जा रही है। इसके साथ ही वाहनों की तकनीकी स्थिति, ओवरलोडिंग एवं ओवरस्पीडिंग सहित यात्री सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मानकों का परीक्षण किया जा रहा है। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले बस संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर होगी कठोर कार्रवाई

जिला परिवहन अधिकारी ने सभी यात्री बस संचालकों को निर्देशित किया है कि वे अपने वाहनों के समस्त आवश्यक दस्तावेज अद्यतन एवं वैध रखें तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया है कि बिना वैध फिटनेस, परमिट, बीमा एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के यात्री बसों का संचालन पाए जाने अथवा सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने पर संबंधित वाहन संचालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, जांच अभियान रहेगा जारी

परिवहन विभाग द्वारा यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए यात्री बसों की नियमित जांच एवं निगरानी पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना:

850 श्रद्धालु जगन्नाथ पुरी, लिंगराज व कोणार्क मंदिर दर्शन के लिए रवाना

कैबिनेट मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कोरबा रेलवे स्टेशन से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, बुजुर्गों को दी शुभकामनाएं

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत आज बिलासपुर संभाग के लगभग 850 श्रद्धालुओं को जगन्नाथ पुरी मंदिर, लिंगराज मंदिर एवं कोणार्क मंदिर के दर्शन हेतु रवाना किया गया। कोरबा रेलवे स्टेशन से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से प्रारंभ हुई इस यात्रा का शुभारंभ प्रदेश के वाणिज्य एवं उद्योग, वाणिज्यिक कर (आबकारी) एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की।

बुजुर्गों के तीर्थ दर्शन का सपना साकार कर रही मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा का अवसर मिलता था। अब पुनः मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस महत्वाकांक्षी योजना को प्रारंभ किया है। उन्होंने कहा कि इसी भाव से मुख्यमंत्री और अभिनंदन कर रहे हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

गीदम एवं दंतेवाड़ा में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

दंतेवाड़ा। एकीकृत बाल विकास परियोजना, गीदम एवं दंतेवाड़ा के अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसके तहत नगर पंचायत गीदम के वार्ड क्रमांक 14 स्थित अटल आवास पारा, कड़तीपारा, तथा दंतेवाड़ा कैलाश नगर में आंगनबाड़ी केंद्र में सहायिका के एक रिक्त पद पर भर्ती की जाएगी। इस पद के लिए संबंधित वार्ड की स्थानीय निवासी इच्छुक एवं पात्र महिला अभ्यर्थी 24 अक्टूबर 2026 से 7 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को ई-भर्ती पोर्टलपर जाकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करना होगा।
आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आठवीं कक्षा उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। आवेदन करने वाली महिला अभ्यर्थी की आयु 18 से 44 वर्ष के बीच होनी चाहिए। यह पद मानसेवी एवं अस्थायी प्रकृति का है। चयन प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता, अनुभव तथा अन्य निर्धारित मापदंडों के आधार पर अंक प्रदान किए जाएंगे। इच्छुक एवं पात्र महिला अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन करें तथा आवेदन करने से पूर्व भर्ती संबंधी दिशा-निर्देशों एवं आवश्यक शर्तों का भली-भांति अवलोकन कर लें।

राशन दुकान संचालन के लिए आवेदन 4 नवम्बर तक

बिलासपुर। जिले के कोटा विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य की दुकान जोगीपुर, मिट्ठू नवागांव, करबा, पुडु, पोंड़ी (402003032), मोहली, लूफा, उपका, शक्तीबहरा, कुरबार, नगोई, कर्रा, नवागांव (स), लमकेना, तुलुफ, पोंड़ी (402003105) के आबंटन के लिए 4 नवम्बर 2026 तक बंद लिफाफे में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है।
ग्राम पंचायत एवं स्थानीय नगरीय निकाय, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां, अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियां, राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट उपक्रम, वृहदाकार आदिम जाति बहुदेशीय सहकारी समिति (लेम्पस) एवं वन सुरक्षा समितियों के आवेदन ही स्वीकार किये जाएंगे। सहकारी समितियों एवं महिला स्व सहायता समूहों को दुकान आबंटन हेतु आवेदन करने की तारीख से कम से कम 3 माह पूर्व पंजीकृत होना अनिवार्य है। आवेदन करने वाली सहकारी समिति एवं महिला स्व सहायता समूह वर्तमान में कार्यरत हो तथा उसे सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में कार्य करने का अनुभव हो। आवेदन केवल निर्धारित प्रारूप में सील बंद लिफाफे में ही स्वीकार किया जाएगा। बंद लिफाफे के ऊपर जिस दुकान के लिए आवेदन कर रहें है उसका नाम व आई.डी. अनिवार्य रूप से लिखा होना चाहिए। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 4 नवम्बर 2026 को दोपहर 3 बजे तक है। नियत तिथि एवं समय के पश्चात आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएंगे।
आवेदन करने के लिए समिति एवं संस्थान के पंजीयन की सत्यापित छायाप्रति, समिति, संस्था, पंचायत के सभी सदस्यों के नाम, पते व आधार की सत्यापित छायाप्रति की जानकारी, आवेदक समिति, समूह, पंचायत का बचत बैंक खाता की प्रमाणित छायाप्रति एवं अंतिम 3 माह का स्टेटमेंट, समिति एवं संस्था का शपथ पत्र आदि होना आवश्यक है।

पूरे राज्य से एक हजार से अधिक आवेदन प्राप्त, 31 अक्टूबर तक आवेदन का अवसर

रायपुर। छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाओं को आजीविका से आगे बढ़ाकर सफल उद्यमी बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक अभिनव पहल की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) रायपुर के फाउंडेशन फॉर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफईडी) की संयुक्त पहल 'अथ उद्यम' ग्रामीण महिला उद्यमियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के छोटे व्यवसायों को व्यवस्थित, लाभकारी और विस्तार योग्य उद्यमों के रूप में विकसित करना है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने माँ दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर देशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने माँ दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर देशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज अपने बस्तर प्रवास के दौरान जगदलपुर स्थित बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति ने माँ दंतेश्वरी से देशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने मंदिर में माँ दंतेश्वरी के दर्शन किए और श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में राष्ट्रपति का परंपरागत ढंग से स्वागत किया गया।
इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने माँ दंतेश्वरी के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के प्रति अंचल के लोगों की अटूट श्रद्धा है। माँ दंतेश्वरी बस्तर की आस्था और लोकजीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का माँ दंतेश्वरी के दर्शन-पूजन के लिए आगमन बस्तर और पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का अवसर है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अपनी अनुपम जनजातीय संस्कृति, प्राचीन परंपराओं और विशिष्ट जीवन मूल्यों के लिए देश-दुनिया में अलग पहचान रखता है। यहाँ की परंपराओं में प्रकृति, आस्था और समाज के बीच गहरा संबंध दिखाई देता है। राष्ट्रपति जी के प्रवास से बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान और सम्मान मिलेगा।उल्लेखनीय है कि माँ दंतेश्वरी बस्तर अंचल की आराध्य देवी हैं। माँ दंतेश्वरी के प्रति बस्तरवासियों की गहरी आस्था है।

स्वच्छ और कचरा मुक्त गांव बनाने पर जोर, राज्य सलाहकार ने किया स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण

घर-घर कचरा संग्रहण और कचरे के पृथक्करण की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने बिल्हा विकासखंड के ओडीएफ मॉडल ग्राम बिटकुली, पासीद, खम्हारडीह एवं मंगला (प) में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने गांवों में स्वच्छता व्यवस्था, घर-घर कचरा संग्रहण और अपशिष्ट निपटान की स्थिति का जायजा लिया। साथ ही स्वच्छ एवं कचरा मुक्त गांव बनाने के लिए ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।निरीक्षण के दौरान श्रीमती सिंह ने स्वच्छग्राहियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अंतर्गत कचरे को चार श्रेणियों सूखा, गीला, सेनेटरी एवं विशेष देखभाल वाले इलेक्ट्रॉनिक कचरे में अलग-अलग रखने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए घरों से ही कचरे का पृथक्करण जरूरी है। ग्रामीणों को नियमित कचरा संग्रहण में सहयोग करने और स्वच्छता शुल्क का भुगतान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। श्रीमती सिंह ने घर-घर कचरा संग्रहण में संलग्न स्वच्छग्राही समूहों के सदस्यों से चर्चा कर उनके कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने सरपंचों एवं सचिवों से कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वाले लोगों को पहले समझाइश दी जाए। इसके बाद भी नियमों का पालन नहीं करने वालों पर नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने गांवों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों के नियमित उपयोग और स्वच्छता बनाए रखने पर भी जोर दिया।इस अवसर पर जिला समन्वयक, जनपद पंचायत की टीम, नोडल अधिकारी, सरपंच, पंच, सचिव, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, बिहान समूह की में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की अर्धवार्षिक बैठक संपन्न

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



मंडल रेल प्रबंधक एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर श्री दयानंद की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की वर्ष 2026 की दूसरी छमाही बैठक रेल अधिकारी क्लब, उल्लास में आयोजित की गई । सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । तत्पश्चात राजभाषा अधिकारी एवं सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया । साथ ही समिति में नए जुड़े सदस्य कार्यालय ' केन्द्रीय जल आयोग, ऊपरी महानदी ' का भी स्वागत किया गया ।ठक के प्रारंभ में श्री निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी द्वारा स्वागत भाषण दिया गया । उन्होंने अपने स्वागत भाषण में कहा कि ÷यद्यपि आप सभी राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार के लिए पूर्णतया गंभीर एवं सक्रिय हैं तथापि अनुरोध है कि कृपया अपने-अपने कार्यालयों में गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हिंदी का प्रयोग लगातार करते रहें ।''बैठक के दौरान नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर के सदस्य कार्यालयों की दिनांक 01.01.2026 से 31.06.2026 तक की अवधि की राजभाषा प्रगति की समीक्षा समिति के सचिव श्री निकेश कुमार पाण्डेय द्वारा की गई । साथ ही विभिन्न मदों पर चर्चा भी की गई ।
अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर एवं मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि ÷राजभाषा संबंधी नीतियों के सफल कार्यान्वयन एवं निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विशेष प्रबंधन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि थोड़े से प्रयास से ही हम लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं । जिस प्रकार आपके थोड़े से प्रयास से सभी सदस्य कार्यालयों द्वारा धारा 3(3) का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया गया है, उसी प्रकार हम अन्य मदों का भी शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कर सकते हैं ।''

5 व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज किए जाने हेतु आदेश

एक सत बुलेटिन ➤ अम्बिकापुर

कलेक्टर सरगुजा ने तहसील मैनपाट के ग्राम केसरा में स्थित भूमि खसरा नम्बर 1378 रकबा 3.46 हे. से संबंधित मामले में तहसीलदार मैनपाट के जांच प्रतिवेदन के आधार पर आजाद इराकी सहित कुल 5 व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश तहसीलदार मैनपाट को दिए हैं।

उपरोक्त भूमि के सम्बंध में यह शिकायत प्राप्त हुई कि ग्राम केसरा तहसील मैनपाट स्थित शासकीय भूमि रिनम्बरिंग खसरा नम्बर 1378 रकबा 3.46 हे. को राजस्व अभिलेख में कुटरचना कर अवैध रूप से निजी व्यक्ति के नाम दर्ज करा लिया गया है तथा उक्त भूमि को किसी अन्य निजी व्यक्ति के पास रजिस्ट्री कर दिया गया है। शिकायत प्राप्त होने के पश्चात शिकायत को समय सीमा में दर्ज कर तहसीलदार मैनपाट से जांच प्रतिवेदन मंगवाया गया। जांच प्रतिवेदन से यह स्पष्ट है कि 1954-55 के अधिकार अभिलेख का अंतिम खसरा नम्बर 650 है। अतः अधिकार अभिलेख में खसरा नम्बर 1378 की प्रविष्टि नहीं हो सकती। खसरा नम्बर 1378 रिनम्बरिंग खसरा नम्बर है, जो पहली बार 1995-96 में राजस्व दस्तावेजों में आया है।
अतः प्रकरण से स्पष्ट है कि 1954-55 के अधिकार अभिलेख में खसरा नम्बर 1378 की प्रविष्टि बाद में कूट रचना कर विजय सिंह आ.चन्द्रचरण सिंह के नाम पर की गई। जिस भूमि को विजय सिंह आ. चन्द्रचरण सिंह के मुख्तार आम दिलीप चिकवा पिता रामप्रसाद चिरवा तथा तुलेश्वर गुप्ता पिता गणेश गुप्ता के द्वारा आजाद इराकी पिता रियाजुद्दीन इराकी, अनुपम कुमार सिंह पिता रामा शंकर सिंह को रजिस्ट्री किया गया। बंदोबस्त वर्ष 1995-96 में भी खसरा नम्बर 1378 शासकीय भूमि के रूप में छोटे झाड़ जंगल मद में ही दर्ज है। इससे भी यह स्पष्ट है कि 1954-55 के अधिकार अभिलेख में निजी भूमि के रूप में खसरा नम्बर 1378 की प्रविष्टि कूट रचना कर की गई है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार किसी भी तरह की वन भूमि का हस्तांतरण वन संरक्षण अधिनियम 1980 के प्रावधानों तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार ही हो सकता है। अतएव उपरोक्त प्रकरण में आजाद इराकी पिता रियाजुद्दीन इराकी निवासी जयनगर सहित कुल 5 क्रेता और विक्रेताओं के विरुद्ध तहसीलदार मैनपाट को प्राथमिकी दर्ज कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया है।विलोपित किए जाने हेतु राजस्व अधिकारी को निर्देशित किया गया है।

नवाचार को प्रोत्साहन, युवाओं के सपनों को मिलेगी नई उड़ान

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा सीएमडी महाविद्यालय में 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026' एवं उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं में नवाचार एवं उद्यमशीलता को बढ़ावा देना तथा उनके नए विचारों को उचित मंच प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के प्रबंधक सुनील कुमार पाण्डेय ने प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए बताया कि इसके अंतर्गत 10 विभिन्न सेक्टरों से नवीन एवं उपयोगी विचार आमंत्रित किए जा रहे हैं। प्रत्येक सेक्टर से पांच विजेताओं का चयन किया जाएगा। इनमें एक स्थान महिला प्रतिभागियों तथा एक स्थान 21 वर्ष से कम आयु वर्ग के प्रतिभागियों के लिए आरक्षित रहेगा। इस प्रकार कुल 50 विजेताओं का चयन किया जाएगा। प्रत्येक विजेता को 10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता के तहत कुल पांच करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी।
उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। इसमें केवल विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि बाहर के इच्छुक प्रतिभागी और नवाचारकर्ता भी हिस्सा ले सकते हैं। इच्छुक प्रतिभागी
पोर्टल के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं। महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ. संजय दुबे ने विद्यार्थियों को नए एवं विशिष्ट विचार प्रस्तुत करने और समाज तथा उद्योग की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए रचनात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, प्रबंधक उत्तम कुमार दुबे ने स्वरोजगार संबंधी योजनाओं एवं उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी।

महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान लगभग 60 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित थे

महाविद्यालय के प्राचार्य संजय सिंह ने विद्यार्थियों एवं स्टाफ से प्रतियोगिता की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने तथा इच्छुक प्रतिभागियों को पंजीयन के लिए प्रेरित करने की अपील की। कार्यक्रम में कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल सहित अन्य प्राध्यापकों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान लगभग 60 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार शिक्षकों के उत्कृष्ट कार्यों को सराहने की पहल

उत्कृष्ट शिक्षकों का हुआ सम्मान, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचारों को मिला

एक सत बुलेटिन ➤ दंतेवाड़ा

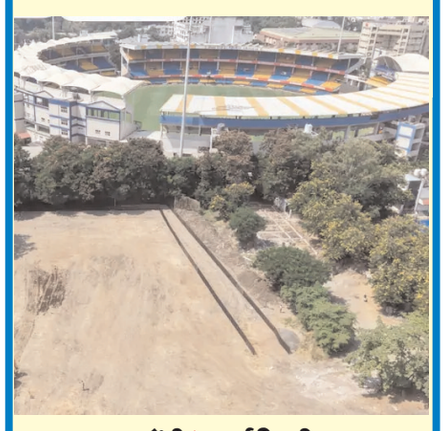
कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने तथा शैक्षणिक नवाचारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आचार्य विनोबा भावे शिक्षक सहायक कार्यक्रम के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस पहल के माध्यम से विद्यालयों में बेहतर शिक्षण पद्धतियों को अपनाने, विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए शिक्षकों द्वारा किए जा रहे प्रयासों को पहचान दी गई।



उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान न केवल उनके समर्पण और मेहनत को पहचान देता है, बल्कि अन्य शिक्षकों को भी बेहतर शिक्षण कार्य के लिए प्रेरित करता है। इस प्रकार की पहल से जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रयासों को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद है।

कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रमोद ठाकुर एवं जिला परियोजना समन्वयक श्री हरीश गौतम ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित कर उनके प्रयासों की सराहना की। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में सुनीता अजित, बलराम रेड्डी, शिवकुमार गुप्ता, कीर्तिला कोठारी, पुष्पा ध्रुव, नीता साहू और माधुरी उके शामिल रहे। इस अवसर पर विनोबा टीम के अभिषेक त्रिपाठी एवं राहुल भी उपस्थित रहे। आचार्य विनोबा भावे शिक्षक सहायक कार्यक्रम शिक्षकों को अपने शैक्षणिक अनुभव साझा करने, प्रभावी शिक्षण विधियों और नवाचारों को अपनाने तथा आपसी सहयोग से शिक्षण कार्य को बेहतर बनाने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के अच्छे कार्यों को प्रोत्साहित करना, विद्यालयों में सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण विकसित करना और विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सुधार लाना है। जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों की सक्रिय भूमिका और नवाचारपूर्ण प्रयास महत्वपूर्ण हैं। उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान न केवल उनके समर्पण और मेहनत को पहचान देता है, बल्कि अन्य शिक्षकों को भी बेहतर शिक्षण कार्य के लिए प्रेरित करता है। इस प्रकार की पहल से जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रयासों को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद है।

इंदौर पहुंचीं भारत-वेस्टइंडीज की टीमें, फैंस पर चढ़ा क्रिकेट रंग



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

इंदौर। होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले को लेकर इंदौर में क्रिकेट का रंग चढ़ने लगा है।स्टेडियम के बाहर दुकानों पर टीम इंडिया की जर्सी, टी-शर्ट और कैप सज गई हैं। क्रिकेट प्रेमी खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं, वहीं शनिवार को दोनों टीमों के खिलाड़ी चार्टर्ड फ्लाइट से इंदौर पहुंचे।यरपोर्ट से खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा के बीच चार्टर्ड बसों से होटल ले जाया गया। भारतीय टीम रेडिसन और वेस्टइंडीज की टीम मैरियट होटल में ठहरी है।मैच से पहले खिलाड़ियों की सुरक्षा, अभ्यास और मैदान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दोनों टीमों के अभ्यास के लिए दो पिच तैयार की गई हैं। कोच गौतम गंभीर होलकर स्टेडियम पहुंचे और उन्होंने पिच देखी। वेस्टइंडीज टीम की तरफ से अभी तक कोई पिच देखने नहीं पहुंचा है।

भारतीय टीम रेडिसन, वेस्टइंडीज मैरियट में ठहरी

भारतीय टीम रेडिसन होटल में ठहरेगी, जबकि वेस्टइंडीज की टीम के लिए मैरिएट होटल में व्यवस्था की गई है। खिलाड़ियों की आवाजाही, सुरक्षा, अभ्यास और मैदान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

मैदान के बाहर भी तैयार कीं दो पिचें

भारत और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों के अभ्यास को ध्यान में रखते हुए विशेष इंतजाम किए गए हैं। बल्लेबाजों की नेट प्रैक्टिस के लिए मैदान के बाहर अमय खुरासिया एकेडमी में दो पिचें तैयार की गई हैं।इन्हें होलकर स्टेडियम की पिचों के समान परिस्थितियां देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, ताकि बल्लेबाजों को अभ्यास के दौरान मैच जैसी स्थिति मिल सके।

तीन सीजन में भी उतरीं



भारतीय महिला क्रिकेटर सब्बिनेनी मेघना ने 30 साल की उम्र में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। आंध्र प्रदेश की मेघना ने 2016 में भारत के लिए डेब्यू किया। उन्होंने 3 वनडे और 17 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले। इसके अलावा, वह विमेंस प्रीमियर लीग के तीन सीजन में भी उतरीं।

सहवाग ने कहा- 'सूर्यवंशी पहली गेंद से ही शॉट लगाना चाहते हैं



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी में उन्हें अपनी बेखौफ बल्लेबाजी की झलक दिखती है। सहवाग ने कहा- 'सूर्यवंशी पहली गेंद से ही शॉट लगाना चाहते हैं।'दिल्ली में शनिवार को PHD चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सत्र में सहवाग ने सूर्यवंशी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए खेलने का मौका मिलने पर सूर्यवंशी उसका पूरा फायदा उठा सकते हैं।सहवाग ने यह भी कहा कि भारतीय क्रिकेट में उनकी जगह उम्र से नहीं, प्रदर्शन से तय होनी चाहिए।

सहवाह ने सूर्यवंशी के उम्र की चिंताओं को खारिज किया

सहवाग ने सूर्यवंशी की उम्र को लेकर उठ रही चिंताओं को खारिज किया। उन्होंने कहा कि उम्र की सीमा केवल उम्र-आधारित प्रतियोगिताओं में मायने रखती है।सहवाग ने कहा- 'अगर आप किसी उम्र-आधारित प्रतियोगिता में खेल रहे हैं, तो यह बात सही है। अगर अंडर-19 है, तो आपकी उम्र 19 साल से कम होनी चाहिए।'

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए तीसरे वनडे के बाद 8 खिलाड़ी हटेंगे

न्यूजीलैंड की वनडे टीम में रचिन-चापमैन की वापसी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ अगले महीने होने वाली 5 मैचों की वनडे सीरीज के लिए 21 सदस्यीय टीम घोषित की है। चोट के कारण टी-20 सीरीज से बाहर रहे रचिन रवींद्र और मार्क चापमैन की वनडे टीम में वापसी हुई है।कप्तान मिचेल सैंटनर समेत 6 खिलाड़ी पूरी सीरीज खेलेंगे, जबकि 8 खिलाड़ी शुरुआती 3 वनडे के बाद टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए लौट जाएंगे। आखिरी 2 वनडे के लिए 7 नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया जाएगा।न्यूजीलैंड के हेड कोच रोब वाल्टर ने वर्कलोड मैनेजमेंट को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को तीन समूहों में बांटा है। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद न्यूजीलैंड को 2 टेस्ट मैच भी खेलने हैं।



रचिन और चापमैन चोट से उबरकर लौटेंगे

रचिन रवींद्र अक्टूबर में एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान कैच लेने के लिए डाइव लगाते समय कंधा खिसका बैठे थे। इस वजह से वे टी-20 सीरीज के लिए चयन के उपलब्ध नहीं थे। वहीं, मार्क चापमैन हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टी-20 टीम में जगह नहीं बना सके। दोनों अब वनडे सीरीज से वापसी करेंगे।फिन एलेन, लॉकी फर्ग्यूसन और टीम सीफर्ट को आखिरी 2 वनडे के लिए टीम में शामिल किया गया है। ये तीनों पिछले 18 महीनों से न्यूजीलैंड की वनडे टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं। इस दौरान उन्होंने प्रोफेशनल टी-20 लीग में खेलने को प्राथमिकता दी।कोच रोब वाल्टर ने कहा कि 21 खिलाड़ियों को मौका मिलना न्यूजीलैंड की बेंच स्ट्रेंथ को दिखाता है।ने टी-20 फॉर्मेट में अपनी क्षमता दिखाई है।

व्यापार

मारुति की कारें अगस्त से 30,000 तक महंगी हो जाएंगी

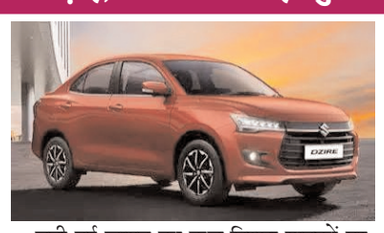
2 महीने में दूसरी बार कीमतें बढ़ाईं, कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से फैसला लिया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी पैसेंजर वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोत्तरी का ऐलान किया है। कंपनी अपनी कारों के दाम 30,000 रुपए तक बढ़ाएगी। नई कीमतें अगस्त 2026 से लागू होंगी। कंपनी ने 21 जुलाई, मंगलवार को शेयर बाजारों को भेजी जानकारी यानी रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। अलग-अलग मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग दाम बढ़ाए जाएंगे।

कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से लेना पड़ा फैसला

कंपनी ने बताया कि लगातार बढ़ रही इनपुट कॉस्ट यानी लागत बढ़ने की वजह से यह फैसला लेना पड़ा है। पिछले कुछ महीनों में कंपनी ने अपने स्तर पर लागत घटाने की कोशिश की, ताकि ग्राहकों पर सीधा असर न पड़े। हालांकि, महंगाई दर ऊंची रहने और कारोबारी माहौल अनुकूल न होने की वजह से



बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना मजबूरी हो गया है।

2 महीने में दूसरी बार बढ़ेंगे दाम

इस साल मारुति सुजुकी की तरफ से यह पहली बढ़ोत्तरी नहीं है। इससे पहले कंपनी ने जून 2026 में भी अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में 30,000 रुपए तक का इजाफा किया था। उस बढ़ोत्तरी का ऐलान 21 मई 2026 को किया गया था। उस समय भी कंपनी ने इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी और महंगाई के दबाव को ही मुख्य वजह बताया था। अगस्त से लागू होने वाला नया संशोधन जून में हुई बढ़ोतरी के ऊपर अतिरिक्त इजाफा होगा।

3.50 लाख से ?25 लाख तक के वाहन बेचती है कंपनी मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में एंट्री-लेवल हैचबैक से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां बेचती है। इनमें एंट्री-लेवल मॉडल स-क्रूद्दह्यह्यश्र से लेकर प्रीमियम स्क्रूह्ल इनविक्टो शामिल हैं। फिलहाल कंपनी के पोर्टफोलियो की एक्स-शोरूम कीमतें ?3.50 लाख से शुरू होकर ?25 लाख तक जाती हैं। अगस्त से होने वाली बढ़ोतरी के बाद एंट्री-लेवल और प्रीमियम दोनों सेगमेंट की कारें महंगी हो जाएंगी।शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों के लिए यह अनिवार्य होता है कि वे अपने किसी भी बड़े बिजनेस फैसले, मुनाफे, नुकसान या कीमतों में बदलाव की जानकारी %सेबी% या स्टॉक एक्सचेंज को दें। इसी आधिकारिक दस्तावेज को रेगुलेटरी फाइलिंग कहते हैं। इनपुट कॉस्ट= किसी भी कार को बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल (जैसे स्टील, प्लास्टिक, एल्युमिनियम, रबर और इलेक्ट्रॉनिक्स) की कुल लागत को इनपुट कॉस्ट कहा जाता है।

सेंसेक्स 715 अंक गिरकर 76755 पर बंद:निफ्टी भी 191 अंक फिसलकर 23996 पर आया;

एजेंसी ➤ मुंबई

शेयर बाजार में आज यानी 22 जुलाई को गिरावट रही। सेंसेक्स 715 अंक की गिरावट के साथ 76,755 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 191 अंक की गिरावट रही, ये 23,996 पर बंद हुआ। रियल्टी, ढ्ढञ्ज, मीडिया और बैंकिंग शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन यानी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून के नतीजे जारी किए। को इस तिमाही में 3,962.13 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 6,123.93 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था। इसके अलावा, मार्च तिमाही में भी इस तेल मार्केटिंग कंपनी ने 3,191.49 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था।

94 डॉलर पर पहुंचा कच्चा तेल

ब्रेंट क्रूड में आज करीब 3त्न की तेजी है। ये 94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। जानकारों का मानना है कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव और बढ़ा, तो तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता है। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार रहा इंडेक्स लेवल पॉइंट चेंज परसेंट चेंज

इंडेक्स	लेवल	पॉइंट चेंज	परसेंट चेंज
कोस्पी (साउथ कोरिया)	6798	+50	+0.74त्न
निक्केई (जापान)	66116	-117	-0.18त्न
हैंगसेंग (हॉन्गकॉन्ग)	24893	-240	-0.95त्न

21 जुलाई को अमेरिकी बाजार में बढ़त रही थी

इंडेक्स	लेवल	पॉइंट चेंज	परसेंट चेंज
डाउ जोन्स	52225	+385	+0.74त्न
नैस्डैक	25837	+329	+1.29त्न
स-क्रूद्द500	7509	+66	+0.89त्न

7 दिन में विदेशी निवेशकों ने ?4,660 करोड़ के शेयर खरीदे

कल बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले कल यानी 21 जुलाई को शेयर बाजार में गिरावट रही थी।



बोनस शेयर का प्लान टला; पहली तिमाही में मुनाफा 79त्न बढ़कर ?220 करोड़ रहा

रिजल्ट के बाद पेटीएम का शेयर 4प्रतिशत फिसला

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे आने के बाद पेटीएम के शेयरों में आज मंगलवार 21 जुलाई को गिरावट रही। बाजार खुलते ही शेयर में 2.5त्न से ज्यादा की तेजी आई, लेकिन थोड़ी ही देर में यह गिर गया। ये 3.86त्न नीचे ?1295 पर बंद हुआ।

विजय शेखर शर्मा की अगुआई वाली इस फिनटेक कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा है। पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 79त्न बढ़कर 220 करोड़ रुपए दर्ज किया गया है। लेकिन बोनस शेयर टलने की खबर से बिकवाली का दबाव बढ़ा है।

पेटीएम ने 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया

कंपनी के शेयर ने बीते 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया है। हालांकि, मार्केट डेब्यू के करीब 5 साल बाद भी यह शेयर अपने आईपीओ प्राइस ?2,150 से नीचे है। 30 जून 2026 को समाप्त हुई इस तिमाही में ऑपरेशन्स से पेटीएम का रेवेन्यू 28त्न बढ़कर ?2,448 करोड़ पर पहुंच गया है, जो एक साल पहले इसी अवधि में ?1,918 करोड़ था। वहीं कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 79त्न बढ़कर ?220 करोड़ रहा है।

कंपनी को अपने पेमेंट बिजनेस, मर्चेंट सब्सक्रिप्शन और फाइनेंशियल सर्विसेज डिस्ट्रीब्यूशन में लगातार ग्रोथ से यह मुनाफा हासिल हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में पेटीएम को ?123 करोड़ का मुनाफा हुआ था। वहीं, मार्च तिमाही में ?183 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

पेटीएम मनी में ?100 करोड़ के निवेश को मंजूरी

पेटीएम के बोर्ड ने अपनी सब्सिडियरी कंपनी पेटीएम मनी में राइट्स इश्यू के जरिए ?100 करोड़ तक के निवेश को मंजूरी दी है। इस फंड का इस्तेमाल टेक्नोलॉजी में निवेश, रेगुलेटरी कैपिटल जरूरतों को पूरा करने और कंपनी के इन्वेस्टमेंट व वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस के विस्तार के लिए किया जाएगा।

आईपीओ के बचे 1,686 करोड़ के इस्तेमाल का प्लान बदला

कंपनी के बोर्ड ने आईपीओ से मिली अनयूज्ड 1,686 करोड़ की बची हुई रकम के इस्तेमाल और उसकी समय-सीमा में बदलाव का प्रस्ताव भी पास किया है। बोर्ड ने इस रकम के उपयोग का समय बढ़ाकर 31 मार्च 2029 तक करने के लिए शेयरहोल्डर्स से मंजूरी लेने का फैसला किया है।

कंपनी का कहना है कि इस फ्लेक्सिबिलिटी से उसे पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज इकोसिस्टम को मजबूत करने और ग्रोथ के नए मौकों को हासिल करने में मदद मिलेगी।

बोनस शेयर का प्लान क्यों टला?

कंपनी के बोर्ड ने बोनस शेयर जारी करने का प्रस्ताव टाल दिया है। बोर्ड ने कहा कि लॉन्ग-टर्म शेयरहोल्डर वैल्यू के नजरिए से प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के बाद यह फैसला लिया गया है।बोर्ड का मानना है कि कंपनी को अभी अपनी ग्रोथ बढ़ाने और प्रॉफिटेबिलिटी को और मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए, ताकि शेयरधारकों के लिए बेहतर वैल्यू क्रिएट हो सके। के बिजनेस हेड हर्षल दसानी के मुताबिक, पेटीएम का क्ता स्रङ्ख27 रिजल्ट इस बात का साफ सबूत है कि कंपनी अब टर्नअराउंड फेज से निकलकर प्रॉफिटेबिलिटी फेज में आ चुकी है। 28त्न की रेवेन्यू ग्रोथ के साथ ?203 करोड़ का अब तक का सबसे ज्यादा तिमाही श्वङ्घद्बह्लङ्घष्ठ और ?220 करोड़ का मुनाफा दिखाता है कि कंपनी का कॉस्ट स्ट्रक्चर अब मजबूत हो चुका है। अब बढ़ता रेवेन्यू सीधे मुनाफे में बदल रहा है।

अडाणी एनर्जी का मुनाफा 124त्न बढ़कर 1,149 करोड़:पहली तिमाही में रेवेन्यू 42त्न चढ़ा;

एजेंसी ➤ मुंबई

अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दोगुना से ज्यादा यानी 124त्न बढ़कर 1,149 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

कंपनी की कुल कमाई में तेज बढ़ोतरी और रेगुलेटरी डेफरल इनकम में आए पॉजिटिव बदलाव से नतीजों को मजबूती मिली है। नतीजों की घोषणा के बाद अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर दोपहर के कारोबार में 3त्न चढ़कर 1,781.2 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि, यह 1,737 रुपए पर बंद हुआ।

कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 42त्न बढ़ा

कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू सालाना आधार पर 42.4त्न बढ़कर 9,711 करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 6,819 करोड़ रुपए था। कंपनी का ऑपरेशनल मुनाफा (श्वङ्घद्बह्लङ्घष्ठ) 30त्न बढ़कर 3,008 करोड़ रुपए रहा। हालांकि, श्वङ्घद्बह्लङ्घष्ठ मार्जिन में मामूली गिरावट देखी गई और यह पिछले साल के 33.9त्न से घटकर 31त्न पर आ गया।

कंपनी को रेगुलेटरी इनकम का मिला फायदा

कंपनी ने पहली तिमाही में 29 करोड़ रुपए की रेगुलेटरी डेफरल इनकम दर्ज की है। इसकी तुलना में पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 504 करोड़ रुपए का रेगुलेटरी डेफरल खर्च उठाना पड़ा था। इस पॉजिटिव बदलाव ने कंपनी के नेट मुनाफे को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

कंपनी के बिजनेस सेगमेंट का परफॉर्मेंस

कंपनी के अलग-अलग बिजनेस सेगमेंट्स में भी अच्छी ग्रोथ देखने को मिली हैज

ट्रांसमिशन बिजनेस= कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 52.4त्न की भारी बढ़ोतरी के साथ 3,335.3 करोड़ रुपए पहुंच गया।

डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस= इस सेगमेंट से रेवेन्यू 5त्न बढ़कर 3,520.4 करोड़ रुपए हो गया।

स्मार्ट मीटरिंग बिजनेस= इसमें 200त्न से अधिक की ग्रोथ दर्ज की गई और रेवेन्यू 346.9 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

एनर्जी सॉल्यूशंस प्लेटफॉर्म= इस प्लेटफॉर्म से होने वाला रेवेन्यू 9 गुना से ज्यादा उछलकर 1,906.8 करोड़ रुपए दर्ज किया गया।



सियासी समीक्षा का दौर शुरू

अगले विधानसभा चुनाव की कुछ शर्तें तय हो रही हैं और यह एक रूटीन सी है कि सत्ता अपना चौथा साल इस लिहाज से जाहिर करे। विपक्ष का कदमताल अपनी संगठन की ताकत का हिसाब दे। हिमाचल में एक हिसाब केंद्र बनाम राज्य की पटरी पर खड़े अवरोधों का भी होगा। कर्मचारियों की शिनाख्त में सरकार के फैसलों का महाकुंभ दिखाई दे, इसलिए वहीं पुरानी गंगा में कुछ पाप धुलेंगे। राजनीति का अपना ढर्रा है और इसलिए मुकाबला यह कि किस पार्टी में अधिक गुट हैं। अनूठे मिलन समारोह और आतंरिक रार की तहों में फिसलते समीकरण। कुल मिलाकर अब राजनीतिक समीक्षा का यह दौर मुकाबलों की नई फेहरिस्त पैदा करेगा। कांग्रेस और भाजपा के बीच संयोजकों के तहत किलेबंदियां। भाजपा अपने प्रचार के औजार पैने कर रही है, तो कांग्रेस की जमात 'वोट बचाओ, देश बचाओ' के साहसिक कदम उठाती हुई दिखाई देगी। महत्त्वपूर्ण यह नहीं कि सियासी युद्ध किस करवट बैठेंगे, बल्कि यह है कि सत्ता अपना राजनीतिक अनुष्ठान कैसे करती है। सरकार के पास रिपोर्ट कार्ड है, जिसका इस्तेमाल पंचायत, शहर से समूचे प्रदेश तक हो सकता है। नई पंचायतों की गणना के तिलक अगर ठौर बनाने तक सफल हो गए तो यह कवायद याद की जाएगी। नगर निकाय अगर नागरिक सहूलियतों में इजाफा कर पाएंगे, तो सरकार की पदवी संभल जाएगी। ऐसे में सरकार को अपने फैले हुए प्रयासों को समेटना होगा और बजट की लागत से खड़े किए गए स्तंभों को अच्छे से पेंट करना होगा। बेशक सरकार ने कई मॉडल बनाने शुरू किए, जिन्हें अब पूर्ण रूप से पेश करना होगा। गारंटियों के राजनीतिक दौर अब आगामी चुनाव की फतह को प्रदर्शित करने का जरिया बन सकते हैं और सरकार अगर इसे फार्मूला रेस की तरह निभा पाई तो अंतर देखा जाएगा। राजनीति खुद को देखने के साथ-साथ कर्मचारी वर्ग को कितना देख पाती है, यह एक गोल्डन रूल सदा रहा है।

(एक नजर)

राम ने लक्ष्मण को क्यों दिया था मृत्युदंड?

रामायण में भगवान राम और लक्ष्मण का रिश्ता भाईचारे, त्याग और समर्पण की मिसाल माना जाता है. लक्ष्मण ने बड़े भाई का साथ निभाने के लिए राजमहल का सुख छोड़ दिया और 14 वर्षों के वनवास में उनके साथ रहे. हालांकि, रामायण के एक प्रचलित प्रसंग में ऐसी घटना का वर्णन मिलता है, जब भगवान राम को अपने प्रिय भाई को मृत्युदंड देने की स्थिति का सामना करना पड़ा. आखिर वह कौन-सी परिस्थिति थी, जिसने राम को इतना कठोर फैसला लेने पर मजबूर कर दिया? इसके पीछे यमराज को दिया गया वचन, ऋषि दुर्वासा का क्रोध और अयोध्या की प्रजा को बचाने के लिए लक्ष्मण के त्याग की कहानी जुड़ी है।पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, माता सीता के धरती में समाने के बाद भगवान राम को एहसास हुआ कि पृथ्वी पर उनके अवतार का उद्देश्य पूरा होने का समय आ गया है. अब उन्हें भगवान विष्णु के धाम वैकुंठ लौटना था. एक प्रचलित कथा के मुताबिक, भगवान राम ने हनुमान जी का ध्यान दूसरी ओर लगाने के लिए अपनी अंगूठी पाताल लोक में गिरा दी. उन्होंने हनुमान जी को उसे खोजकर लाने का आदेश दिया. अंगूठी की तलाश में हनुमान जी पाताल लोक चले गए. इसी दौरान यमराज भगवान राम से मिलने पहुंचे।

विचार

सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती

- ललित गर्ग

लेखक

दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोंटू धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा

दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोंटू धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं।



करने वाले मूल कारण मुख्यतः मानवीय गतिविधियों और उनके अपर्याप्त नियमन से जुड़े हैं। दल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अतः समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है।यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने को विवश हों और श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं।

विचार

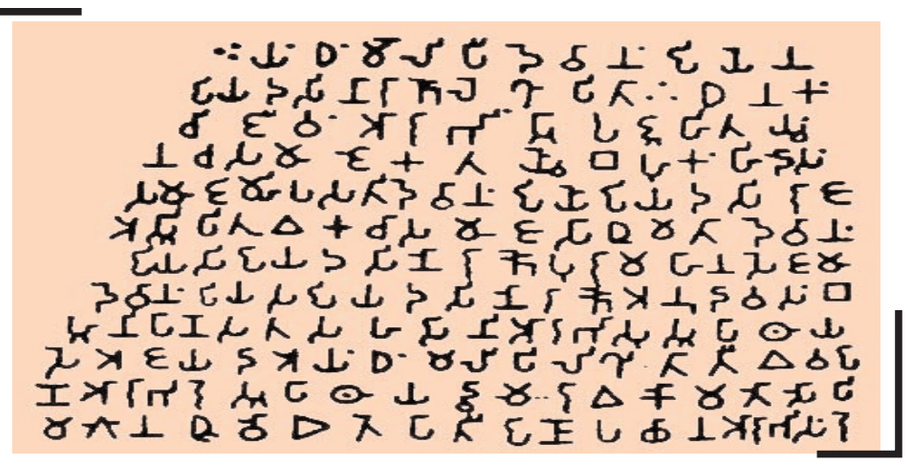
लिपियों को बचाने की जरूरत

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

लेखक

उदाहरण के लिए कोई व्यक्ति हिन्दी या पहाड़ी, या मंडियाली या किन्नौरी बोल रहा हो लेकिन यदि आप उसे कहें कि आप जो बोल रहे हो उसे लिख कर दिखाओ तो हो सकता है इसमें असमर्थ हो। जब लिख नहीं सकता तब लिखे हुए को पढना तो सम्भव ही नहीं है। यदि भाषा को लिखना हो और बाद में उसे पढना हो तो उसके लिए अक्षरों की जरूरत पड़ती है। इन अक्षरों को ही लिपि कहा जाता है। लेकिन दुनिया भर में अक्षर तो भिन्न प्रकार के होते हैं। कहीं ए, बी, सी आदि लिखा जा रहा है, कहीं अलफ, बे, पे और कहीं क, ख, ग लिखा जा रहा है। इसका अर्थ हुआ कि दुनिया भर में अनेक लिपियां प्रचलित हैं और उनके नाम भी अलग अलग हैं। पंजाबी भाषा जिस लिपि में लिखी जाती है, उसे गुरुमुखी लिपि कहा जाता है। यूरोप की अधिकांश भाषाएं जिस लिपि में लिखी जाती हैं, उसे रोमन लिपि कहा जाता है। हिंदी, संस्कृत, नेपाली, मराठी और बोड़ो भाषाएं जिस लिपि में लिखी जाती हैं ।

अब कश्मीर में कश्मीरी भाषा अरबी लिपि में लिखी जाती है। शिक्षा संस्थानों में अरबी लिपि में ही पढ़ाई जाती है। लेकिन अभी भी इक्का दुक्का बुजुर्ग लोग कहीं कहीं शारदा लिपि के जानकार मिल जाते हैं। लेकिन शारदा लिपि को पढ़ सकने वालों की संख्या अब मुश्किल से उंगलियों पर ही गिने जा सकते हैं। कश्मीरियों की जो पीढ़ी आतंकवाद के दिनों में कश्मीर से बाहर चली गई थी, उनके बच्चों का तो लिपि की बात तो दूर, कश्मीरी भाषा से भी नाता टूटता जा रहा है। शारदा लिपि की स्थिति भी ब्राह्मी लिपि जैसी बनती जा रही है। इससे ज्ञान की एक पूरी परम्परा और इतिहास लुप्त हो जाएगा। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 तो हट चुका है। अब जरूरत है कि शारदा लिपि में भी पुनः प्राण प्रतिष्ठा स्थापित की जानी चाहिए। हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय शायद देश में एकमात्र विश्वविद्यालय है जो शारदा लिपि में कश्मीरी भाषा का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम चलाता है। सप्त सिन्धु फाऊंडेशन ने अभी हाल में शारदा लिपि में 'शारदा लोक' नाम की कश्मीरी भाषा की पत्रिका शुरू की हैभाषा और लिपि के अंतर को समझना जरूरी है। हर व्यक्ति कोई न कोई भाषा तो बोलता ही है। लेकिन यह जरूरी नहीं कि वह जो भाषा बोल रहा है उसे लिख व पढ़ भी सके। उदाहरण के लिए कोई व्यक्ति हिन्दी या पहाड़ी, या मंडियाली या किन्नौरी बोल रहा हो लेकिन यदि आप उसे कहें कि आप जो बोल रहे हो उसे लिख कर दिखाओ तो हो सकता है इसमें असमर्थ हो। जब लिख नहीं सकता तब लिखे हुए को पढना तो सम्भव ही नहीं है। यदि भाषा को लिखना हो और बाद में उसे पढना हो तो उसके लिए अक्षरों की जरूरत पड़ती है। इन अक्षरों को ही लिपि कहा जाता है। लेकिन दुनिया भर में अक्षर तो भिन्न प्रकार के होते हैं। कहीं ए, बी, सी आदि लिखा जा रहा है, कहीं अलफ, बे, पे और कहीं क, ख, ग लिखा जा रहा है। इसका अर्थ हुआ कि दुनिया भर में अनेक लिपियां प्रचलित हैं और उनके नाम भी अलग अलग हैं। पंजाबी भाषा जिस लिपि में लिखी जाती है, उसे गुरुमुखी लिपि कहा जाता है। यूरोप की अधिकांश भाषाएं जिस लिपि में लिखी जाती हैं, उसे रोमन लिपि कहा जाता है। हिंदी, संस्कृत, नेपाली, मराठी और बोड़ो भाषाएं जिस लिपि में लिखी जाती हैं उसे देवनागरी लिपि कहा जाता है। अब मान लीजिए किसी लिपि का प्रचलन समाप्त हो गया तो उस लिपि में लिखी हुई हजारों पुस्तकों को पढना असंभव हो जाएगा। इसके कारण ज्ञान का खजाना ही नहीं समाप्त होता, बल्कि वह भाषा



बोलने वालों का अपने पूर्वजों से संबंध भी टूट जाता है।

ब्राह्मी लिपि की यही स्थिति है। आज उसको पढने वाला कोई नहीं बचा है। दस हजार साल पहले की सरस्वती-सिन्धु सभ्यता को समझने में आ रही मुश्किलों में से सबसे बड़ी मुश्किल यही है। शिलालेखों पर ब्राह्मी लिपि में कुछ खुदा हुआ है। लेकिन वह क्या है, इसे कोई नहीं बता सकता क्योंकि आज ब्राह्मी लिपि को पढने वाला कोई नहीं है। पीछे तमिलनाडु सरकार ने ब्राह्मी लिपि पढने के लिए दस करोड़ का ईनाम घोषित किया है। लेकिन हमारा संबंध सप्त सिन्धु क्षेत्र की एक प्राचीन शारदा लिपि को लेकर है। कश्मीरी भाषा शारदा लिपि में लिखी जाती थी। यह लिपि इतनी प्राचीन है कि कश्मीर में तो संस्कृत के अनेक ग्रन्थ भी शारदा लिपि में लिखे हुए मिलते हैं। लेकिन जब मध्य एशिया से अरबों, तुर्कों और मुगलों (एटीएम) के आक्रमण शुरू हुए तो उसका पहला शिकार यह सप्त सिन्धु क्षेत्र ही हुआ। हमलावरों ने बाकी जो नुकसान किया वह तो है ही, लेकिन उनका सबसे बड़ा आक्रमण यहां की लिपियों पर हुआ। उन्होंने यहां की सभी लिपियों को समाप्त कर सभी भाषाएं अरबी लिपि में लिखना शुरू कर दीं। बलोची, पश्तो, हिन्दी सब अरबी भाषा में लिखी जाने लगीं। एटीएम के एक अभियान की शिकार कश्मीर की अति प्राचीन लिपि शारदा हो गई। शासकीय प्रयत्नों के चलते वहां अरबी लिपि का प्रचार और प्रयोग हुआ। भारत में अब तक अरबी लिपि को फारसी लिपि कहने का प्रचलन भी हो गया था। इस अरबी फारसी लिपि ने शारदा लिपि को खाना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, कश्मीर में शारदा पर मार तो पड़ी, साथ ही मजहब पर भी मार पड़ी। कश्मीरियों को बल छल से इस्लाम मजहब या शिया मजहब में शामिल किया गया। शिया मजहब या इस्लाम मजहब में गए कश्मीरियों ने शायद सोचा होगा कि अपना मूल मजहब छोडने के साथ अपनी शारदा लिपि को छोडना भी जरूरी है। कश्मीरियों ने अपनी लिपि शारदा से धोखा किया। इस प्रकार वे अपनी विरासत और अपने पूर्वजों से दूर होते गए। कश्मीरी भाषा के शारदा लिपि में लिखे हजारों ग्रन्थ कश्मीरियों के लिए अनजाने हो गए हैं। वे उन्हें पढ़ नहीं सकते। शारदा लिपि को पुनः प्रयोग में लाने की बात एक बार फिर उठी थी जब अंग्रेजों के चले जाने के बाद जम्मू कश्मीर में अलग संविधान सभा का गठन हुआ था।जम्मू कश्मीर का नया संविधान बन रहा था। उसमें कश्मीरी भाषा की लिपि शारदा का प्रश्न आया। भाषा विज्ञान के कुछ जानकार सदस्यों ने कहा कि कश्मीरी भाषा की लिपि तो शारदा ही है। उसे ही संविधान में दर्ज किया जाना चाहिए। उस वक्त जम्मू कश्मीर पर अरबों, तुर्कों या मुगलों का राज नहीं था। संविधान सभा में खांटी कश्मीरी नेशनल कान्फ्रेंस का बहुमत था। उस बहुमत ने कहा कि कश्मीरी भाषा की लिपि अरबी होगी, शारदा नहीं।

विचार

धर्मपुर के सिद्धपुर में राज्य स्कूली खेल

भूपिंद्र सिंह

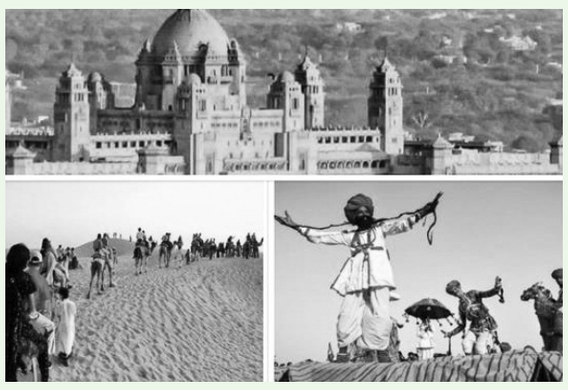
लेखक

अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर खेल आयोजन किसी भी देश व प्रदेश की प्रगति व खुशहाली का पैमाना बनते हैं। वहीं पर जिला व उपमंडल स्तर पर आयोजन भी वहां होते हैं जहां सुविधाएं हों, मगर सुदूर पिछड़े इलाके में सफल आयोजन बहुत ही मजबूत इच्छा शक्ति का परिणाम होते हैं। बात चाहे आजादी के बाद 1951 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू द्वारा पहले एशियाई खेलों के आयोजन की हो या अब विकासशील भारत में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2036 ओलंपिक आयोजन को भारत में करवाने के प्रयास हों, अपने स्तर को ऊपर उठाने की जद्दोजहद होती है। मंडी जिले के धर्मपुर के छोटे से गांव सिद्धपुर में राज्य स्तरीय खेलों का सफल आयोजन भी धर्मपुर के विधायक चंद्रशेखर की जद्दोजहद को दिखाता है। इस सफल आयोजन के लिए सिद्धपुर स्कूल के प्राचार्य राजेंद्र ब्राड़ी व उनकी टीम, स्थानीय प्रशासन को विधायक के दिशा-निर्देश व दूरगामी सोच तथा स्थानीय आवाम बधाई के पात्र हैं। मंडी जिले का दूरदराज उपमंडल धर्मपुर से भी आठ किलोमीटर दूर सिद्धपुर गांव के वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में बिना बड़े मैदानों के बावजूद राज्य स्तरीय अंडर 19 वर्ष आयु



वर्ग लड़कियों के कबड्डी, वॉलीबाल, खो-खो आदि माइनर खेलों का सफल आयोजन हुआ।धर्मपुर क्षेत्र खेल मैदानों के बगैर खेल में काफी पिछड़ा है। आयोजकों द्वारा पहले सिद्धपुर स्कूल के खेल मैदान को संवारा गया और अन्य सुविधाओं को भी इस स्तर तक जुटाया गया कि हर प्रतिभागी व आफिशियल ने यहां के हर तरह के प्रबंधन की जमकर तारीफ करी है। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी शुभारंभ व शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर समापन पर मुख्य अतिथि थे। खेलें आज के आधुनिक युग में मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गई हैं। खेल किसी सभ्यता के लिए कितने जरूरी हैं, इस बात का अंदाजा मनुष्यों को रोज मिलने वाली सूचनाओं से भी पता चलता है। समाचारपत्रों में प्रतिदिन एक पूरा पृष्ठ खेल समाचारों के लिए होता है। ओलंपिक खेलों की पदक तालिका से किसी भी देश की तरक्की व खुशहाली का पता आसानी से चलता है। संसार के विकसित देश ओलंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते देखे जा सकते हैं। अमेरिका सहित क्रमशः सभी विकसित देश पदक तालिका में शीर्ष पर मिलते हैं। हमारे देश में भी जो राज्य हर प्रकार से समृद्ध हैं, वे खेलों में भी अग्रणी हैं। आज जब गांव का जीवन खत्म होकर शहरीकरण होता जा रहा है, इससे शारीरिक श्रम बिल्कुल खत्म हो रहा है। इसलिए सामान्य फिटनेस के लिए अधिक से अधिक खेल सुविधाओं की जरूरत बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। हिमाचल प्रदेश के बजट में इसलिए भी खेल क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के लिए बहुत ज्यादा धन की आवश्यकता है। हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का आधारभूत ढांचा वर्षों से तैयार पड़ा पड़ा खंडहरों में तबदील हो रहा है। ध्यान देने की जरूरत है। प्रशिक्षकों की नियुक्ति के मामले में भी खेल विभाग बहुत पीछे है। विभाग के पास बहुत कम प्रशिक्षक हैं।कई खेलों में तो पूरे जिले स्तर पर एक भी प्रशिक्षक नियुक्त नहीं है। इस बजट में सौ विभिन्न खेलों के प्रशिक्षकों व इतने ही मैदान कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए धन का प्रावधान होना चाहिए। बहुत अधिक खेल सुविधाओं व प्रशिक्षकों की नियुक्ति इसलिए भी जरूरी हो जाती है क्योंकि आज का युवा ही नहीं किशोरावस्था से ही हमारी आगामी पीढ़ी नशे के अंधेरे में गुम हो रही है। अधिक खेल सुविधाएं व प्रशिक्षक होंगे तो अधिक संख्या को फिटनेस मिलेगी, नशे से दूरी भी बनेगी। जब बहुत अधिक खिलाड़ी मैदान का रुख करेंगे तो उन्हीं में से कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी मिल जाएंगे। स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद अधिकतर खिलाड़ी हिमाचल प्रदेश में महाविद्यालय स्तर पर प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव में विद्यार्थी पंजाब व अन्य पड़ोसी राज्यों के खेल विंगों का रुख अख्तियार करते हैं। हिमाचल प्रदेश के जिन जिन महाविद्यालयों में जिस खेल की सुविधा है, उस खेल का छात्रावास या विंग चलाने के लिए बजट में धन राशि इस बजट में रखी गई है, सरकाघाट कालेज में बास्केटबॉल का छात्रावास शुरू हो गया है। व्यक्तिगत खेलों में जो खिलाड़ी बिना किसी सरकारी सहायता के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें खेल छात्रावासों में रह रहे खिलाडियों पर होने वाले खर्च के बराबर वजीफा देने का भी प्रावधान रखा जाए। हिमाचल प्रदेश में पिछले कई सालों से पंजाब की तर्ज पर राज्य खेल संस्थान बनाने की बात हो रही है। इस खेल संस्थान का मुख्य उद्देश्य हिमाचल प्रदेश की खेलों को ऊंचाई तक ले जाने के लिए उच्च प्रशिक्षण कार्यक्रम चला कर राज्य की टीमों को राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षित करना व हिमाचल प्रदेश के स्कूलों व कालेजों में कार्यरत शारीरिक शिक्षकों को उनके द्वारा खेले व प्रशिक्षित खेल में उच्च दक्षता हासिल करने के लिए सेमिनार आदि लगाना प्रमुख कार्य होंगे।

राजस्थान की इन जगहों का लुत्फ उठाने दूर विदेश से खिंचे चले आते हैं लोग



राजस्थान भारत के उन राज्यों में से हैं जहां हर साल पर्यटकों का खूब मेला लगता है, उन पर्यटकों में विदेशी टूरिस्ट भी शामिल होते हैं। राजस्थान अपनी बेशुमार खूबसूरत हवेलियों और महलों के लिएविश्व भर में लोकप्रिय है। रेतीला इलाका होने की वजह से यहां ज्यादातर गर्मी का मौसम ही रहता है। तो चलिए जानते हैं विश्व प्रसिद्ध इस राज्य की कुछ और हसीन झलकियों की बारे में...

जयपुर

राजस्थान के इस शहर को पिंक सिटी का खिताब प्राप्त हुआ है। अपने विशाल किलों और शानदार महलों को लेकर यह शहर हर साल हजारों सैलानियों का प्रदर्शन करता है। यहां की संस्कृति, इतिहास और यहां के शाही ठाठ-बाठ के लोग दिवाने हैं। यहां घूमने के लिए आमेर का किला,जल महल,हवा महल,जयगढ़ किला और जंतर-मंतर जैसी अनेकों जगहें हैं।

उदयपुर

उदयपुर जयपुर से करीब 400 कि.मी की दूरी पर स्थित है। उदयपुर को झीलों की नगरी भी कहा जाता है। यहां की खूबसूरती, साफ़ सफाई और किलों के कारण यह स्थान पर्यटकों के बीच एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बन चुका है। उदयपुर सिर्फ पर्यटकों को ही नहीं बॉलीवुड और हॉलीवुड को भी अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर ये जवानी है दीवानी, यश राज की फिल्म यादें और यहां तक की जेम्स बांड सीरीज की एक फिल्म की शूटिंग भी यहां के खूबसूरत नजारों के बीच हो चुकी है।

अजमेर

जयपुर से अजमेर कुछ 135 किमी की दूरी पर स्थित है। अजमेर की दरगाह शरीफ भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी काफी विख्यात है। अजमेर में पर्यटक दरगाह शरीफ के अलावा आधी दिन का झोपड़ा, नासिया मंदिर, आनासागर झील, तारागढ़ का किला भी काफी फेमस है।

जोधपुर

जोधपुर अपने अलौकिक सूर्य उदय के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। सूर्यनगरी के लिए जाना जाने वाला यह शहर अपने महलों के लिए भी जाना जाता है। इस शहर में आपको ज्यादातर घर नीले रंग के पत्थरों से बने हुए मिलेंगे इसीलिए इस शहर को ब्लू सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यह शहर थार-रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। अपने दामन में राजसी गौरव को समेटे जोधपुर बड़ी संख्या में पर्यटकों को अपनी ओर लुभाता है। यहां आप नीले भवन से लेकर जगमग करते महल, किले, मंदिर, संग्राहलय और शानदार बगीचे इस शहर की खूबसूरती को और भी बढ़ा देते हैं।

कुंभलगढ़

कैसे बनाएं मीडिया में करियर, पढ़ें पूरी जानकारी...

मीडिया एक चमकदार और ग्लैमरस इंडस्ट्री दिखती है इसकी चमक-धमक देखकर अब अधिकतर छात्र मास कम्यूनिकेशन और जर्नलिजम का कोर्स कर रहे हैं। मीडिया में नौकरी के बहुत सारे अवसर हैं। जरूरी नहीं है कि आप किसी न्यूज चैनल या अखबार में ही नौकरी करें कोर्स करने के बाद आप एडवरटाइजिंग एजेंसी, फिल्म लाइन या पब्लिशिंग हाउस में भी काम कर सकते हैं यहां हम आपको मीडिया फील्ड में करियर बनाने के बारे में शुरू से बता रहे हैं।

मास कम्यूनिकेशन या जर्नलिजम का कोर्स करें

मीडिया में करियर बनाने के लिए आपके पास बेसिक क्वलिफिकेशन होनी चाहिए और वो है मास कम्यूनिकेशन या जर्नलिजम कोर्स की डिग्री या डिप्लोमा। आपके पास शैक्षिक योग्यता होने के बाद ही आपकी दूसरी योग्यताओं पर विचार किया जाएगा। मास कम्यूनिकेशन कोर्स आप किसी अच्छे संस्थान से कर सकते हैं। बेनेट यूनिवर्सिटी ने हाल ही में टाइम्स स्कूल ऑफ मीडिया के जरिए मास कम्यूनिकेशन और जर्नलिजम कोर्स शुरू किया है।



मीडिया में कहां जाना है

मास कम्यूनिकेशन और जर्नलिजम कोर्स करने के बाद आप तय करें कि आपको कहां जाना है आप टेलिविजन यानी न्यूज चैनल्स जॉइन करना चाहते हैं या रेडियो, प्रिंट, डिजिटल मीडिया, एड एजेंसी आदि में नौकरी करना चाहते हैं। यह आप अपनी पसंद और प्राथमिकता के आधार पर तय करें।

इंटर्नशिप के लिए करें अप्लाई

करियर की शुरूआत आप इंटर्नशिप से कर सकते है जिसमें आपको काफी कुछ सीखने को मिलेगा। इंटर्नशिप करते-करते ही नौकरी के लिए भी अप्लाई करें। इसके लिए आप संबंधित कंपनियों की वेबसाइट पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं या इन कंपनियों के एचआर सेक्शन में कॉल करके भी पूछ सकते हैं।

मार्केट रिसर्चर की है जबरदस्त डिमांड

वैसे तो इस क्षेत्र में जॉब हासिल करने के लिए बैचलर की डिग्री की दरकार होती है, लेकिन सही मायने में आपकी गहरी पकड़ मार्केटिंग, इकोनॉमिक्स, साइकॉलजी, सोशियोलॉजी और स्टैटिस्टिक्स में होनी चाहिए...



वर्तमान समय में बिजनस की दुनिया में काफी बदलाव हुए हैं। अब मार्केट नई स्ट्रेटजी पर चलता है। उसे अच्छी प्लानिंग से काम को अंजाम देना होता है। यही कारण है कि बाजार को कस्टमर्स को समझना होता है और इसी क्रम में उन्हें ज्यादा टाइम देना होता है। इन्हीं मकसद को पूरा करने के लिए मार्केट रिसर्चर की जरूरत होती है। एक तरीके से वे मार्केट और कस्टमर्स के बीच की कड़ी होते हैं। उन्हें उपभोक्ताओं के ऑप्शन, टेस्ट और उनकी आवश्यकताओं पर कड़ी नजर रखनी पड़ती है। इस डेटा को कई प्रॉसेस के जरिए कंपनियां कलेक्ट करवाती हैं। इसके बाद वह फैसला करती हैं कि किस तरह के प्रॉडक्ट की लोगों के बीच डिमांड है और इसके लिए उन्हें कैसे पहल करनी होती है। इसलिए एक मार्केट रिसर्चर की जॉब दिलचस्प होती है। वैसे तो इस क्षेत्र में जॉब हासिल करने के लिए बैचलर की डिग्री की दरकार होती है, लेकिन सही मायने में आपकी गहरी पकड़ मार्केटिंग, इकोनॉमिक्स, साइकॉलजी, सोशियोलॉजी और स्टैटिस्टिक्स में होनी चाहिए। इस फील्ड को ऑप्ट करने से पहले आप अपने कम्युनिकेशन स्किल को बेहतर कर लें, क्योंकि इस स्किल की आपको बड़ी मात्रा में जरूरत पड़ने वाली है।

जैसे-जैसे दुनिया बदल रही है, डेटा का महत्व भी बढ़ता ही जा रहा है। बाजार को समझने के लिए डेटा की जरूरत पड़ती है। कंपनी जब किसी प्रॉडक्ट को लॉन्च करती है, तो डेटा के आधार किए गए रिसर्च के आधार पर कंपनी को फैसले लेने होते हैं। ऐसे में मार्केट रिसर्चर की भूमिका अहम हो जाती है। वह रिचर्स के लिए लोगों के बीच में जाता है और उनके पसंद और नापसंद को आधार बनाते हुए यह एक डेटा तैयार करता है, जिसके आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि प्रॉडक्ट का भविष्य क्या हो सकता है। कंपनी इसके माध्यम से टारगेट भी सेट करती है। इस अधार पर यह तय किया जाता है कि प्रॉडक्ट में मुख्य रूप से किसे टारगेट किया जाए। लोगों को प्रॉडक्ट के लिए लुभाने के लिए किस तरह के ऑफर दिए जाएं।

आप दिलचस्प तरीके से करियर को बिल्ड करना चाहते हैं और इसमें जबरदस्त ग्रोथ चाहते हैं, तो मार्केट रिसर्चर के रूप में करियर बनाने के लिए खुद को तैयार करें। डेटा में आपका मन रमता है, तो यह आपके लिए निश्चित रूप से एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

यहां कर सकते हैं पढ़ाई

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, जेएनयू कैंपस, नई दिल्ली।

नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सेल्स, नई दिल्ली।

सिंबायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया ऐंड कम्युनिकेशन, पुणे।

यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ।

मार्केट रिसर्चर उपभोक्ता की पसंद, खरीदारी की आदत, बाजार में रिसर्च के आधार पर एक डेटा तैयार करते हैं। इससे गुजरते हुए उन्हें कई दौर से होकर गुजरना होता है। इसके बाद वे रिपोर्ट, ग्राफिक इलेस्ट्रेशन के माध्यम से अपने रिसर्च को समझाते हैं कि कंपनी का कोई फैसला उन्हें कितना फायदा पहुंचा सकता है।

काम का स्वरूप

कंपनी की संभावित बिक्री और बाजार से संबंधित सभी तरीके मार्केट रिसर्चर के जॉब प्रोफाइल का हिस्सा होते हैं। स्टैटिस्टिक्स डेटा को आधार बनाते हुए उसे भविष्य का अनुमान लगाना होता है। उसे अपनी कंपनी को यह बताना होता है कि आने वाले दिन में मार्केट का रुख कैसा रहेगा। ये डेटा प्रश्नावली, टेलीफोन, इंटरनेट सर्वेक्षण या फिर व्यक्तिगत साक्षात्कार को आधार बनाकर तैयार किए जाते हैं। बहुत सारे रिसर्च ग्रुप डिस्कशन पर आधारित होते हैं। इस डेटा को कलेक्ट करने के बाद उन्हें उपभोक्ताओं की वरीयता को आधार प्रदान करते हुए डिजाइन तैयार करना होता है। ग्लोबल लेवल पर मार्केट रिसर्चर की ज्यादा डिमांड है। अगर आप इसे अपने करियर के तौर पर ऑप्ट करने जा रहे हैं, तो यह एक सही फैसला साबित हो सकता है।

इसमें सफलता हासिल करने के लिए आपको मार्केट के कल्चर को अच्छे से समझना होता है। इसके साथ ही आपको बिना थके अप्रोच करने की विशेषता को भी खुद के अंदर लाना होता है।

भारत की यह जगहें भी हैं घूमने लायक

मैग्नेटिक हिल

मैग्नेट हिल एक साइक्लोप्स हिल है जो भारत के लद्दाख में लेह के पास स्थित है। आसपास का क्षेत्र ढलानों के रुप में बना हुआ है, यहां पर यदि आप अगर अपनी कार में जाते हैं तो, दूर से देखने वाले को लगेगा कि आपकी कार लुढ़कने वाली है। यहां मौजूद पहाड़ी को मैग्नेटिक हिल इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह भारत का एक ऐसा अजूबा है जहां आमतौर पर पहाड़ी के फिसलन पर वाहन को गियर में डालकर खड़ा किया जाता है। यदि ऐसा नहीं किया जाए तो वाहन नीचे की ओर लुढ़ककर खाई में गिर सकता है लेकिन इस मैग्नेटिक हिल पर वाहन को न्यूट्रल करने खड़ा कर दिया जाए तब भी यह नीचे की और नहीं जाता।

माजुली

असम राज्ये में स्थापित माजुली शहर ने आज भी भारत की सभ्यता और संसकृति को सहेज कर रखा हुआ है। इसी के साथ माजुली असम का सबसे बड़ा आकर्षण का केंद्र भी है। माजुली न सिर्फ नदी से बना विश्व का सबसे बड़ा द्वीप है, बल्कि यह असम के वैष्णव धर्म का केन्द्र भी है।

जीवित पुल

मेघालय में वहां के निवासियों के द्वारा बरगद और अंजीर के पेड़ की जड़ों की मदद से एक पुल तैयार किया गया। असल में गांवो के लोगों को अपनी जरुरत का सामान लाने के लिए नदी में से तैर कर जाना पड़ता था। इस वजह से सब लोग बहुत परेशान थे। फिर लोगों ने अपना दिमाग लगाकर एक बहुत ही सुंदर और भारत की शोभा बढ़ाने वाले पुल तैयार कर दिया।

देवदार के पेड़

कश्मीर और सिक्किम में मौजूद देवदार के पेड़ रोबर्ट पैटीसन और क्रिस्टीन स्टीवर्ट की फिल्म ट्वाईलाईट में दर्शाए गए एक सीन की याद दिला देते हैं। वैसे तो देवदार के पेड़ बहुत कम भारत में देखने को मिलते हैं। लेकिन यदि आप प्रकृति के नजारों को नजदीक से देखना चाहते हैं ।

तो आपको देवदार के पेड़ों का यह अद्भुत नजारा आवश्य देख कर आना चाहिए। इसके बाद आपको इस जगह से

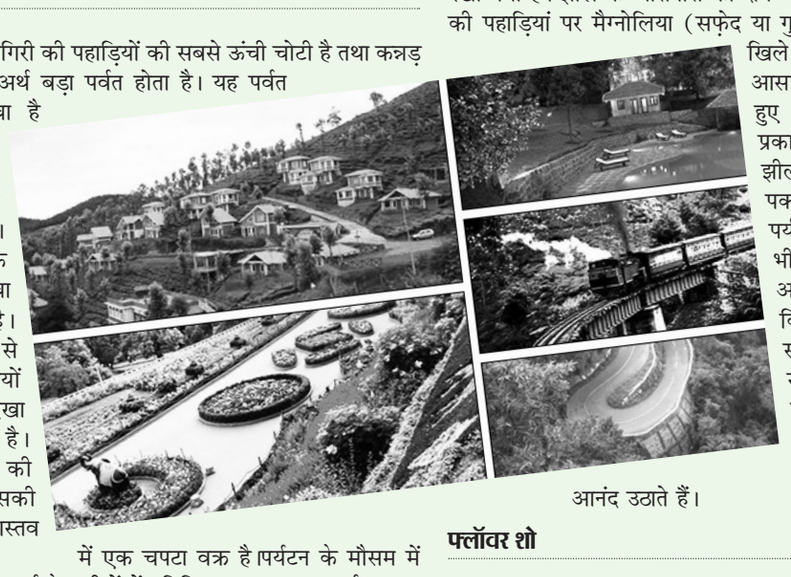
ऊटी तमिलनाडु राज्य का एक शहर है। कर्नाटक और तमिलनाडु की सीमा पर बसा यह शहर मुख्य रूप से एक पर्वतीय स्थल (हिल स्टेशन) के रूप में जाना जाता है। यह तमिलनाडु प्रांत में नीलगिरी की पहाड़ियों में बसा हुआ एक लोकप्रिय पर्वतीय स्थल है। रोमेंटिक होने के साथ-साथ प्राचीन समुद्र तटों, हिल स्टेशनों और शानदार वन्य जीवन को ख़ुद में समाए बैठा यह एक नामचीन शहर है। अगर आप भी गर्मियों की छुट्टियों मौज मस्ती का प्लान बना रहें हैं तो जान लीजिए ऊटी के कुछ हसीन नजारों के बारे में कुछ विस्तार से...

भारत के खूबसूरत पर्यटक स्थलों में एक है ऊटी

ऊटी ऊटी की सैर के लिए आने वाले पर्यटक में ऊटी झील जाए बिना वहां से वापिस नहीं आते। यह झील मानव निर्मित है जो लगभग 65 एकड़ के क्षेत्र में फ़ैली हुई है। मानसून के दौरान पहाड़ों से बहकर आने वाले पानी को एकत्रित करके इस झील का निर्माण किया गया।यहां बोटिंग की सुविधा भी उपलब्ध होने के कारण यह झील पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। इसके शांत जल में सैर करते हुए आप यहां की सुंदरता का आनंद उठा सकते हैं।

डाबेट्टा चोटी

डाबेट्टा चोटी नीलगिरी की पहाड़ियों की सबसे ऊंची चोटी है तथा कन्नड़ भाषा में इसका अर्थ बड़ा पर्वत होता है। यह पर्वत 8650 फुट ऊंचा है तथा यह ऊटी शहर से 9 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। कोटागिरी रास्ते के द्वारा यहाँ पहुंचा जा सकता है। डोडाबेट्टा चोटी से चामुंडी पहाड़ियों का स्पष्ट दृश्य देखा जा सकता है। डोडाबेट्टा की अद्वितीयता इसकी चोटी में है जो वास्तव में एक चपटा वक्र है।पर्यटन के मौसम में अर्थात अप्रैल और मई के महीनों में प्रतिदिन लगभग 3500 पर्यटक इस चोटी की सैर करने के लिए आते हैं। यहां दूरबीन के जरिए पर्यटक घाटी के दूर-दूर के दृश्य देख सकते हैं।



लॉक डाउन

लॉक डाउन ऊटी के पास स्थित एक प्रसिद्ध स्थान है तथा यह स्थान बहुत सुंदर होने के कारण मुख्य रूप से शूटिंग के लिए प्रसिद्ध है। ढलावदार पहाड़ियां, घास के हरे मैदान, बड़ी जगह तथा दूर दूर तक फ़ैली हुई हरियाली आपके दिल को खुश कर देते हैं। स्वतंत्रता के पूर्व यह स्थान यूरोपीयन लोगों में बहुत लोकप्रिय था जो शिकार के लिए अक्सर यहां आया करते थे। जब स्वतंत्र भारत में जब शिकार पर प्रतिबन्ध लगा तब यह स्थान स्थानीय लोगों में एक पिकनिक स्थान के रूप में लोकप्रिय हुआ। आज जो भी व्यक्ति देश के इस भाग में आता है वह इस स्थान की सैर किये बिना जाता नहीं है। यहां गोल्फ कोर्स तथा भेड़ों का एक सरकारी फ़ार्म भी है।

लेंच झील

लेंच झील नीलगिरी की पहाड़ियों में स्थित है तथा ऊटी शहर से लगभग 28 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। 19 वीं शताब्दी में यहाँ बर्फ की चट्टान के सरकने के कारण यह झील बनी थी। इसी आधार पर इसका नाम रखा गया है। झील के आसपास का क्षेत्र जादुई है। झील के आसपास की पहाड़ियां पर मैग्नोलिया (सफ़ेद या गुलाबी रंग के फूल) सदैव खिले रहते हैं। आपको झील के आसपास अनेक पर्यटक टहलते हुए दिखाई देंगे। ट्राउट (एक प्रकार की मछली) से भरी इस झील में अनेक लोग मछली पकड़ना पसंद करते हैं। पर्यटक झील के किनारे कैंप भी लगा सकते हैं तथा अपना अधिकतम समय झील के किनारे टहलते हुए बिता सकते हैं। कुछ लोग साहसिक गतिविधियों जैसे ट्रेकिंग आदि में व्यस्त रहते हैं जबकि कुछ लोग राफ्टिंग के खेल का भी आनंद उठाते हैं।

फ्लॉवर शो

ऊटी में फ्लॉवर शो का भी आयोजन किया जाता है।यहां के बोटेनिकल गार्डन में फूलों की विधिन्न प्रजातियां देखने को मिलती हैं। यहां आपको विदेशी और स्वदेशी दोनों प्रकार के फूल देखने को मिल सकते हैं। इस फ्लॉवर शो के महत्व को बढ़ाने के लिए आयोजक कुछ प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करते हैं। पूरे देश से कई प्रतिभागी इन प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं तथा उनके द्वारा लगाये गए फूल प्रदर्शन के लिए रखते हैं। विभिन्न श्रेणियों में लगभग 250 लोग इस प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। यह शो (प्रदर्शन) दो से तीन दिन तक चलता है। इस फ्लॉवर शो की खास बात यह है कि लोग फूलों से अलग-अलग तरह की आकृतियां बनाते हैं।

जर्नलिजम स्टूडेंट्स न रहें नौकरी के भरोसे, शुरू करें अपनी कंपनीः रिसर्च

आप पत्रकारिता के स्टूडेंट्स हैं, प्रिंट मीडिया या टीवी की नौकरी के बारे में सोच रहे हैं तो विचार बदल लें। बेहतर होगा, अपना खुद का काम जैसे वेबसाइट्स या पीआर फर्म का काम शुरू करें। यह बात एक स्टडी में सामने आई है। राइस यूनिवर्सिटी और रटगर्स यूनिवर्सिटी की स्टडी से यह बात सामने आई है कि शिक्षक जर्नलिजम के स्टूडेंट्स को न्यूज बिजनस के अलावा काम करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

राइस यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रफेसर मैक्स बेसब्रिस के मुताबिक टीचर्स स्टूडेंट्स को समझा रहे हैं कि उन्हें ट्रडिशनल न्यूज ऑर्गनाइजेशंस में नहीं जाना चाहिए। वे टेम्परारी, कॉन्ट्रैक्ट पर या फ्रीलांस वर्क, नॉन न्यूज ऑर्गनाइजेशंस, सरकारी या गैर सरकारी ऑर्गनाइजेशंस के लिए या किसी और जगह पर भी काम कर सकते हैं। आजकल पेपर बंद हो रहे हैं और सूचनाएं इंटरनेट, सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। ऑथर्स ने बताया कि जर्नलिजम की शिक्षा देने वाले इंडस्ट्री में होने वाले बदलाव के बारे में अच्छी तरह से वाकिफ हैं। स्टडी के लिए जिन लोगों का इंटरव्यू लिया गया, उन्होंने कहा कि वे बदलाव को स्वीकार करते हैं और पुराने मॉडल में लौटना बेकार समझते हैं।

उन्होंने यह भी माना कि स्टूडेंट्स को जर्नलिजम में जॉब की अनिश्चतता वाले करियर के तौर पर स्वीकारना चाहिए। उन्होंने जितने भी शिक्षकों का इंटरव्यू लिया उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्टूडेंट्स को जितना हो सके फाइनैंशल रिस्क लेकर अपना काम शुरू करने वाला होना चाहिए और अपना बिजनस या वेबसाइट शुरू करने की इच्छा रखने वाला होना चाहिए। उन्होंने स्टूडेंट्स को बढ़िया राइटर या फोटोजर्नलिस्ट बनने पर जोर देने के बजाय लिखने से लेकर एडिट करने या रिकॉर्डिंग और डिजाइनिंग तक हर स्किल डिवेलप करने की शिक्षा दी। कुछ टीचर्स इंडस्ट्री में होने वाले इस बदलाव से दुखी भी थे। इस स्टडी के लिए 113 फैकल्टी, स्टाफ और ऐडमिनिस्ट्रेटर्स का इंटरव्यू लिया गया था।



पब्लिक रिलेशन में कैसे बनाएं करियर, जानें सबकुछ

अगर आप सोचते हैं कि अपनी बात लोगों से मनवा सकते हैं, रोचक ढंग से बातें कर सकते हैं और दबाव झेल सकते हैं तो पब्लिक रिलेशन (पीआर) में करियर आपके लिए बेहतर रहेगा। पीआर प्रतिनिधि के तौर पर आपकी सिर्फ एक भूमिका रहेगी। आपको बिजनस हाउसों, संस्थानों, लोगों और सरकारी संस्थानों के लिए अभियान चलाना होगा ताकि उनका लोगों के साथ अच्छा संबंध बन सके और वह संबंध बरकरार भी रहे। पीआर एग्जिक्युटिव की भूमिका में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया का इस्तेमाल करके किसी प्रॉडक्ट, कंपनी या किसी व्यक्ति का प्रमोशन करना होता है और इस तरह से एक ब्रैंड तैयार करना और उसका विकास करना होता है। जरूरी कौशल पीआर प्रतिनिधि के तौर पर आपके पास सूचनाओं का भंडार होना चाहिए। इसके



अलावा रचनात्मकता, विश्वसनीयता, तकनीक पर पकड़, अच्छा प्रबंधकीय कौशल अन्य गुण हैं जो आपके अंदर होने चाहिए। सिर्फ यही नहीं बल्कि लिखित और मौखिक संचार कौशल, भाषाओं के ऊपर मजबूत कमान, लचीलता और आयोजनों का अच्छा कौशल भी इस फील्ड में काफी जरूरी है।पात्रता पब्लिक रिलेशन में करियर बनाने के लिए आपका किसी भी स्ट्रीम में ग्रैजुएट होना जरूरी है। अगर मास मीडिया में ग्रैजुएशन हो तो ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी। आप पब्लिक रिलेशंस में एक साल का पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कर सकते हैं। या फिर कम्यूनिकेशन और जर्नलिजम में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स कर सकते हैं। दूसरे साल में आप मास्टर्स डिग्री में पीआर में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। पीआर में कोर्स के दौरान मुख्य रूप से लाइव प्रॉजेक्ट असेसमेंट और इंटर्नशिप पर जोर दिया जाएगा जिससे आपको प्रत्यक्ष अनुभव मिलेगा। करियर की संभावनाएं बिजनस के मौके बढ़ने के साथ पीआर एक्सपर्ट्स की मांग बढ़ रही है। फ्रेशर होने पर आप किसी पीआर एजेंसी से एग्जिक्युटिव के तौर पर अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं। एंट्री लेवल पर आपको अपनी शैक्षिक योग्यताओं के भरोसे रहना होगा। अनुभव के साथ आपकी सैलरी बढ़ती जाएगी। फ्रेशर के तौर पर आपको अकाउंट्स एग्जिक्युटिव, कम्यूनिकेशन एग्जिक्युटिव और इवेंट मैनेजर्स आदि के तौर पर नियुक्त किया जाएगा। फ्रेशर के तौर पर आपको बतौर इंटर्न भी हायर किया जा सकता है और 8,000 से 10,000 का शुरुआती पैकेज मिलेगा। बढ़ते अनुभव के साथ वेतन भी बढ़कर 50 से 80 हजार हर महीने हो जाएगा।

मुख्यमंत्री के प्रयासों से जशपुर में आकार ले रही 3147 करोड़ रुपये की भारतमाला परियोजना

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रयासों से जशपुर में आकार ले रही 3147 करोड़ रुपये की भारतमाला परियोजना

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के विशेष प्रयासों से जशपुर जिले में सड़क अधोसंरचना के विकास को नई गति मिल रही है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना के अंतर्गत रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण जशपुर जिले में आकार लेने लगा है। जिले में लगभग 3147 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रही इस सड़क परियोजना के पूर्ण होने से जशपुर का राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों और पड़ोसी राज्यों से सड़क संपर्क अधिक सुगम होगा। बेहतर कनेक्टिविटी से जिले में व्यापार, पर्यटन, कृषि आधारित गतिविधियों और रोजगार के नए अवसर विकसित होने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

निर्माणाधीन इकोनॉमिक कॉरिडोर की कुल लंबाई लगभग 707 किलोमीटर बताई गई है, जिसमें लगभग 104 किलोमीटर सड़क जशपुर जिले से होकर गुजरेगी। यह फोरलेन सड़क रायपुर और धनबाद के बीच आवागमन को अधिक सुविधाजनक बनाने के साथ जशपुर, पत्थलगांव और आसपास के क्षेत्रों को व्यापक सड़क नेटवर्क से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे प्रदेश की राजधानी रायपुर, न्यायधानी बिलासपुर, ऊर्जाधानी कोरबा और पड़ोसी राज्य झारखंड की ओर आवागमन की सुविधाओं में सुधार होने की उम्मीद है।



'राजधानी रायपुर तक का सफर होगा आसान, यात्रा समय में आएगी उल्लेखनीय कमी'

भारतमाला परियोजना के अंतर्गत विकसित हो रहे इकोनॉमिक कॉरिडोर से जशपुर जिले के लोगों को सबसे बड़ा लाभ यात्रा समय में कमी के रूप में मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में जशपुर से राजधानी रायपुर तक सड़क मार्ग से यात्रा करने में लंबा समय लगता है। परियोजना के पूर्ण होने पर बेहतर फोरलेन सड़क और सुगम यातायात व्यवस्था से यात्रा अवधि में उल्लेखनीय कमी आने की संभावना है।

उपलब्ध परियोजना संबंधी जानकारी के अनुसार, संबंधित मार्गों पर यात्रा अवधि लगभग 14 घंटे से घटकर 8 से 9 घंटे होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। वहीं, जशपुर से रायपुर तक का सफर भविष्य में लगभग 5 से 6 घंटे में पूरा होने की उम्मीद भी जताई जा रही है। हालांकि वास्तविक यात्रा अवधि मार्ग की उपलब्धता, यातायात की स्थिति और परियोजना के पूर्ण संचालन पर निर्भर करेगी।

सड़क संपर्क बेहतर होने से जिले के नागरिकों को राजधानी रायपुर और अन्य बड़े शहरों में स्वास्थ्य सेवाओं, उच्च शिक्षा, व्यापार और प्रशासनिक कार्यों के लिए आने-जाने में सहूलियत होगी।

'व्यापार, कृषि और रोजगार के नए अवसरों को मिलेगा बढ़ावा'

रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर जशपुर जिले की आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बेहतर सड़क नेटवर्क विकसित होने से किसानों को अपनी कृषि उपज बड़े बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से उद्यानिकी फसलों, सब्जियों और अन्य कृषि उत्पादों के परिवहन में लगने वाला समय कम होने से किसानों और व्यापारियों को लाभ मिलने की संभावना है। जशपुर जिला कृषि, वनोपज, हस्तशिल्प और ग्रामीण आजीविका गतिविधियों की दृष्टि से महत्वपूर्ण संभावनाएं रखता है। आधुनिक सड़क संपर्क से स्थानीय उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने, व्यापारिक गतिविधियों के विस्तार और नए उद्यमों के विकास के अवसर बढ़ सकते हैं। सड़क निर्माण और परिवहन स्वरोजगार की संभावनाओं को भी बल मिलेगा।

'बिहान' के तहत ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की पहल

फार्मर प्रोड्यूसर कंपनियों के माध्यम से कृषि सखी एवं पशु सखी की आजीविका को मिल रहा बढ़ावा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत कोण्डागांव जिले में ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को सुदृढ़ करने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए फार्मर प्रोड्यूसर कंपनियों (एफपीसी) के माध्यम से विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इन गतिविधियों में कृषि, मुर्गीपालन तथा खाद-बीज से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे कृषि सखी एवं पशु सखी के लिए आजीविका के नए अवसर विकसित हो रहे हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित उद्यमों को बढ़ावा मिल रहा है।

जिले में ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उनकी आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से फार्मर प्रोड्यूसर कंपनियों के माध्यम से कृषि आधारित गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत एकीकृत फार्मिंग क्लस्टर (आईएफसी) और उत्पादक समूहों को जोड़कर स्थानीय स्तर पर कृषि एवं पशुपालन संबंधी कार्यों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे महिलाओं को आजीविका के विविध साधन उपलब्ध कराने के साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिल रही है।



उड़ान महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, चिखलपुटी, कोण्डागांव के अंतर्गत विकासखंड कोण्डागांव, माकड़ी एवं फरसगांव में कृषि, मुर्गीपालन तथा खाद-बीज से संबंधित गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इन क्षेत्रों में आईएफसी और उत्पादक समूहों को जोड़कर कृषि आधारित कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। इन गतिविधियों के माध्यम से कृषि सखी एवं पशु सखी को स्थानीय स्तर पर सेवाएं उपलब्ध कराने और अपनी आजीविका के स्रोतों का विस्तार करने के अवसर मिल रहे हैं।

इसी प्रकार मांझीनगढ़ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, विश्रामपुरी के अंतर्गत विकासखंड बड़ेराजपुर एवं केशकाल के आईएफसी तथा उत्पादक समूह भी कृषि, मुर्गीपालन एवं खाद-बीज से संबंधित गतिविधियों में भागीदारी कर रहे हैं। समूहों और फार्मर प्रोड्यूसर कंपनियों के बीच समन्वय स्थापित कर ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।दोनों फार्मर प्रोड्यूसर कंपनियं द्वारा खाद एवं बीज के लाइसेंस के माध्यम से संबंधित व्यवसायों का संचालन किया जा रहा है। खाद-बीज से जुड़ी गतिविधियों के संचालन से कृषि आधारित सेवाओं और स्थानीय उद्यमों को बढ़ावा मिल रहा है। इससे किसानों को स्थानीय स्तर पर कृषि संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के अवसर मिलते हैं, वहीं उत्पादक समूहों को संगठित रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहन प्राप्त होता है।इन पहलों का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को विविधता प्रदान करना, उत्पादक समूहों को संगठित रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना तथा कृषि एवं मुर्गीपालन आधारित उद्यमों के माध्यम से आय के अवसरों का विस्तार करना है। फार्मर प्रोड्यूसर कंपनियों, आईएफसी, उत्पादक समूहों, कृषि सखी एवं पशु सखी के समन्वित प्रयासों से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित गतिविधियों को नई दिशा मिल रही है।

शब्दबीज को मिला नया आयाम, 49 हजार बच्चों ने एक साथ सीखा 'सतर्क'



शब्दबीज को मिला नया आयाम, 49 हजार बच्चों ने एक साथ सीखा 'सतर्क'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में बच्चों की भाषा और शब्द-संपदा बढ़ाने के लिए सूरजपुर जिले में शैक्षणिक नवाचार 'शब्दबीज' को नया स्वरूप दिया गया है। 'एक शब्द प्रतिदिन' के साथ शुरू की गई 'एक जिला-एक शब्द' पहल के तहत जिले की कक्षा पहली से पांचवीं तक के लगभग 49 हजार बच्चों ने एक साथ सप्ताह का साझा शब्द 'सतर्क' सीखा।'एक शब्द प्रतिदिन, ज्ञान का वृक्ष जीवनभर' की भावना से संचालित शब्दबीज बच्चों को नियमित रूप से नए शब्द सीखने का अवसर देता है। नई पहल से इस व्यक्तिगत सीख को सामूहिक अनुभव से जोड़ा गया है। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों, गांवों और विद्यालयों के बच्चे जब एक ही दिन एक साझा शब्द सीखते हैं, तो उनमें यह भाव भी विकसित होता है कि वे एक साझा शैक्षणिक यात्रा का हिस्सा हैं।'एक जिला-एक शब्द' का उद्देश्य बच्चों को नया शब्द सिखाने के साथ उनमें सीखने की साझा पहचान और सामूहिक सहभागिता की भावना विकसित करना है। विद्यालयों में शिक्षक साझा शब्द का अर्थ, सही उच्चारण, वाक्य-प्रयोग और दैनिक जीवन में उसके उपयोग से जुड़ी गतिविधियां करा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से लछनदई को मिला आर्थिक संबल, शिशु के पोषण में मिली राहत

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से लछनदई को मिला आर्थिक संबल, शिशु के पोषण में मिली राहत

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

शासन द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं माताओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने और मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है, जिससे गर्भावस्था एवं प्रसव के बाद की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलती है।



कोण्डागांव जिले के ग्राम दहिकोंगा की निवासी श्रीमती लछनदई मंडावी भी इस योजना से लाभान्वित हुई हैं। उन्हें बच्चे के जन्म के समय प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्राप्त हुई। इस राशि से उन्हें अपने बच्चे के पूरक पोषण आहार की आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी राहत मिली।

बच्चे के जन्म के बाद उसके समुचित पोषण और देखभाल पर विशेष ध्यान देना आवश्यक होता है। इस दौरान परिवार को पोषण संबंधी जरूरतों के साथ कई अन्य खर्चों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में योजना के तहत प्राप्त आर्थिक सहायता लछनदेवी मंडावी के लिए उपयोगी साबित हुई। इस राशि ने उन्हें बच्चे के पूरक पोषण आहार पर होने वाले खर्च को पूरा करने में सहयोग प्रदान किया।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जरूरतमंद माताओं को आर्थिक संबल प्रदान कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं परिवारों की आवश्यकताओं को पूरा करने और बच्चों के बेहतर पोषण में सहयोगी बन रही हैं।

खाद्य विभाग का सर्वर सुचारु, राशनकार्ड से जुड़े कार्यों का नियमित संचालन

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार नागरिकों को खाद्य विभाग से संबंधित सेवाएं सुचारु रूप से उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। रायपुर जिले में खाद्य विभाग का सर्वर सुचारु रूप से कार्य कर रहा है। राशनकार्ड से संबंधित सभी कार्य निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संचालित किए जा रहे हैं। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि सर्वर डाउन होने के कारण आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य बाधित होने जैसी भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें।

जिला खाद्य नियंत्रक, रायपुर ने स्पष्ट किया है कि खाद्य विभाग का सर्वर सामान्य रूप से कार्यरत है और राशनकार्ड से संबंधित कार्यों का संचालन निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप किया जा रहा है। सर्वर की तकनीकी समस्या के कारण आयुष्मान कार्ड बनाने में व्यवधान होने संबंधी जानकारी भ्रामक है।

खाद्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे विभागीय सेवाओं के संबंध में अपुष्ट जानकारियों से भ्रमित न हों।

शासकीय योजनाओं से मिली जीवन को मजबूती, बच्चों का भविष्य संवार रहे श्री विजय साहू



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मेहनत-मजदूरी से परिवार का भरण-पोषण करना और अपने बच्चों को पढ़ा-लिखाकर उनका भविष्य संवारना कबीरधाम जिले के ग्राम रवेली निवासी श्री विजय साहू के जीवन का प्रमुख लक्ष्य है। खेती के लिए स्वयं की जमीन नहीं होने के कारण वे मजदूरी करके परिवार की जरूरतें पूरी करते हैं। सीमित आय के बीच परिवार की जिम्मेदारियां निभाने में शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं उनके लिए सहारा बन रही हैं।

श्री विजय साहू की पत्नी नीतू साहू को एक तरफ महतारी वंदन योजना के तहत आर्थिक सहायता मिल रही है। वहीं, भूमिहीन होने के कारण परिवार को दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन और आयुष्मान कार्ड की सुविधा भी मिली है। इन योजनाओं से परिवार को आर्थिक सहयोग के साथ रसोई और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है।

श्री साहू के परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। तीनों बच्चे गांव रवेली में ही पढ़ाई कर रहे हैं। परिवार की सीमित आय के बावजूद वे मजदूरी करके अपने बच्चों की शिक्षा और उनके बेहतर भविष्य के लिए प्रयासरत हैं। उनके लिए बच्चों की पढ़ाई और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना महत्वपूर्ण है। ऐसे में शासकीय योजनाओं से मिलने वाली सहायता परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में सहयोग कर रही है।

श्री साहू की पत्नी ने बताया कि खेती के लिए जमीन नहीं होने के कारण उन्हें मजदूरी पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसी स्थिति में शासन की योजनाओं से मिलने वाली सहायता परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सहयोग करती है। महतारी वंदन योजना, भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान कार्ड का लाभ मिलने पर परिवार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

सांसद श्री महाराज ने बॉस्केट में बॉल डालकर किया 26 वीं राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ

सांसद चिंतामणि महाराज ने सभी खिलाड़ियों से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का किया आह्वान

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सरगुजा संभाग के मुख्यालय अम्बिकापुर में आज से 4 दिवसीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का रंगारंग आगाज हुआ। राज्य स्तरीय स्पर्धा का आयोजन सरगुजा अंचल वासियों के लिए गौरव का क्षण है। शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (मल्टीपरपज स्कूल) ग्राउंड, अंबिकापुर में 26वीं चार दिवसीय राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ सांसद सरगुजा श्री चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में हुआ। खेल का शुभारंभ सांसद श्री महाराज द्वारा बास्केट में बाल डालकर किया गया। इस प्रतियोगिता में बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर और सरगुजा संभाग के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। शुभारंभ समारोह में विद्यार्थियों ने बिहू नृत्य, पारंपरिक गीत-संगीत और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को आकर्षक बनाया।



इस अवसर पर सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेलों से बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा मिलता है तथा उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने, निरंतर अभ्यास करने तथा खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान बनाने का आह्वान किया। खेलों के जरिए राष्ट्रीय एकता की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का अवसर मिलता है।

चार खेलों की विभिन्न वर्गों में होंगी प्रतियोगिताएं

चार दिवसीय इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन और सॉफ्टबॉल टेनिस की प्रतियोगिताएं विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित की जा रही हैं। प्रतियोगिता के अंतर्गत 19 वर्ष आयु वर्ग के बालकों की फुटबॉल प्रतियोगिता, 14 एवं 17 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं की बास्केटबॉल प्रतियोगिता तथा 17 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की बैडमिंटन और सॉफ्टबॉल टेनिस प्रतियोगिताएं शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि इस खेल कार्यक्रम में 215 छात्र और 245 छात्राएँ शामिल हो रही हैं।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।